पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 219

ग्वालियर, शुक्रवार, 29 अप्रैल, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

मई में झुलसेगा म.प्र., दो दिन बाद पारा 47 डिग्री तक जा सकता है

दो दिन बाद पारा 47 डिग्री तक जा सकता है, भोपाल-इंदौर में लू का प्रकोप बढ़ेगा

नई दिल्ली/भोपाल। मध्यप्रदेश में पड़ रही भीषण के बीच अगले महीने से गर्मी के तेवर और सख्त होने वाले हैं। प्रदेश में अप्रैल के अंत तक ही अधिकतम तापमान 45 पार जा चुका है। अगले तीन दिन तक कई शहरों में लू का प्रकोप रहेगा और मई में तो पारा 47 डिग्री तक जा सकता है।

मौसम वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि सभी चक्रवाती घेरे खत्म हो चुके हैं। एक ट्रफ लाइन है, वो भी गुरुवार से खत्म हो जाएगी। जिसके बाद मौसम में नमी पूरी तरह से खत्म होने से हवाएं सूखी और अधिक गर्म हो जाएंगी। इससे लू का प्रकोप और बढ़ जाएगा। ऐसे में लोगों को दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक धूप में निकलने से बचना चाहिए। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में भी पारा अब 44 के पार जाएगा।

पूरी मई 40 डिग्री से ऊपर रहेगा पारा

मई के शुरुआती हफ्ते में तापमान में मामूली गिरावट तो होगी, लेकिन पूरे महीने पारा 40 से अधिक बना रहेगा। अभी तक की स्थिति में मई में बारिश का कोई सिस्टम बनता नजर नहीं आ रहा है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक इस बार मई के सबसे गर्म रहने की संभावना प्रबल है।

भोपाल और इंदौर में रातें गर्म

आधे मध्यप्रदेश यानी बुंदेलखंड, महाकौशल और विंध्य में रातें कुछ राहत देने वाली हैं। यहां रात का पारा 20 से 24 डिग्री के आसपास बना है। इसके विपरीत इंदौर, भोपाल, ग्वालियर-चंबल और उज्जैन में रात का पारा ज्यादा च?ा हुआ है। यह 24 से 28 के बीच है। दिन और रात के तापमान में भी 15 से 20 डिग्री तक का अंतर कहीं-कहीं हो गया है।

अगले 4 दिन प्रचंड गर्मी!

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर और उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों के लिए हीटवेव की स्थिति को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. आने वाले 4-5 दिनों तक राहत के आसार नहीं है. आईएमडी ने कहा है कि राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, यूपी और ओडिशा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. उत्तडर भारत में गर्मी का प्रकोप बना हुआ है. तापमान भी 40 डिग्री से अधिक बना हुआ है और यह स्थिति आने वाले दिनों में बनी रहेगी. आईएमडी वैज्ञानिक आर.के. जेनामणि ने बताया कि बीते 25 फरवरी से कोई बारिश की घटना न होने से वातावरण पहले ही शुष्क बना हुआ था और अब लू-लपट के कारण गर्मी भीषण हो गई है।

देश में बढ़ा कोरोना, 3303 नए संक्रमित मिले

47 दिन में सबसे ज्यादा आईआईटी मद्रास में अब तक 171 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना डराने लगा है। बुधवार को कोरोना के 3,303 नए केस सामने आए हैं। ये 47 दिनों मे सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले पिछले महीने 11 तारीख को 3,614 केस आए थे। बीते 24 घंटे में 39 संक्रमितों की मौत भी हुई है जबकि 2,642 मरीज ठीक हुए हैं। इस तरह एक्टिव केस 16,980 हो गए हैं। ये सभी आंकड़े स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी किए हैं। उधर, आईआईटी मद्रास में संक्रमितों का आंकड़ा 171 पहुंच गया है।

रिकवरी केसों की संख्या 2,642

देश में पिछले 24 घंटों में रिकवरी केसेज की संख्या 2,642 रही। इसके बाद देश में कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या 4,25,16,736 हो गई। वहीं, रिकवरी रेट 98.74त्न है। देश में कुल कोविड संक्रमितों की संख्या बढ़कर अब 4 करोड़ 30 लाख, 68 हजार 799 हो गई है। अब तक कोरोना से 5 लाख, 23 हजार, 693 लोगों की मौत हो चुकी है।देश में बीते 15 दिनों में एक्टिव मरीजों की संख्या 7,448 बढ़ी है। 12 अप्रैल 2022 में 9532 केस मिले थे। वहीं, गुरुवार को 16,980 एक्टिव केस मिले।

ऐक्टिव मोड आईं सोनिया, 3 दिन में तीन राज्यों में बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रशांत किशोर के साथ बातचीत फेल होने के बाद से कांग्रेस पर आरोप लग रहे हैं कि वह यथास्थिति में ही रहना चाहती है और बदलाव के लिए तैयार नहीं है। हालांकि बीते दिनों के घटनाक्रम पर नजर डालें तो ऐसा नहीं लगता। हिमाचल प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश तक पार्टी हाईकमान ने तीन दिनों में तीन राज्यों में बदलाव कर दिए हैं। इसके अलावा कुछ दिन पहले ही पंजाब में नए प्रदेश अध्यक्ष को चुना गया है और सुनील जाखड़ एवं केवी थॉमस जैसे नेताओं पर कड़ा अनुशासनात्मक ऐक्शन लिया गया है। मंगलवार शाम को कांग्रेस हाईकमान ने हिमाचल प्रदेश में प्रतिभा

सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बनाने का ऐलान किया था। इसके अलावा उनके साथ 4 कार्यकारी अध्यक्षों के भी नाम घोषित किए गए हैं।

सचिन पायलट को लेकर भी तेज हैं कयास

कमलनाथ को लेकर फैसला अहम माना जा रहा है क्योंकि कहा जाता था कि वह अपने आगे किसी को आगे नहीं आने देना चाहते। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष और नेता विपक्ष दोनों ही पद उनके पास थे। ऐसे में उन्हें एक ही पद तक सीमित कर हाईकमान ने बदलाव का संदेश जरूर दिया है।

नई शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम के साथ कौशल विकास पर विशेष ध्यान-कंवरपाल

स्कूल के बच्चों को 5 लाख टैबलेट देने का है लक्ष्य- शिक्षा मंत्री

वाटिका न्यूज चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री कंवर पाल ने कहा कि जितनी जल्दी नई शिक्षा नीति के उद्देश्य प्राप्त होंगे, उतना ही जल्दी हमारा राष्ट्र प्रगति की ओर अग्रसर करेगा। नीति का संबंध अध्ययन पाठ्यक्रम के साथ कौशल विकास पर भी ध्यान देना है और शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला, बहु-विषयक बनाना है।

श्री कंवर पाल ने यह बात आज चंडीगढ़ में थिंक इंडिया चंडीगढ़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में कही। नई शिक्षा नीति बहुत ही विस्तृत है और विद्वान लोगों ने बड़े ही अच्छे ढंग से लोगों से विचार-विमर्श कर व सुझाव लेकर इसे बनाया है। नई शिक्षा नीति देश के हर राज्य व उनको अपनी भाषा की तवज्जो दी गई है।

नई शिक्षा नीति में वोकेशनल शिक्षा पर अधिक जोर शिक्षा मंत्री ने कहा कि नई शिक्षा नीति में वोकेशनल शिक्षा पर प्रमुख तौर से जोर दिया गया है जिसके तहत अब बच्चों को छठी कक्षा से ही वोकेशनल शिक्षा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने ई लर्निंग शिक्षा पर जोर दिया है जिसके तहत 10 वी,11 वी ओर 12वीं कक्षा के बच्चों को 5 लाख टैबलेट देने का लक्ष्य रखा और बच्चों को टैबलेट 5 मई को रोहतक में बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर देने शुरू किए जाएंगे।

युवा पीढ़ी को देश के शहीदों से लेनी चाहिए प्रेरणा उन्होंने कहा कि हमें अपने देश को आजाद करवाने वाले शहीदों को कभी भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर के देश को आजाद करवाया, उन शहीदों को मैं नमन करता हूं। हम सभी को उनके दिखाए गए आदर्शों पर चल कर देश को आगे ले जाना चाहिए और हमें आने वाले बच्चों को भी इन शहीदों के बलिदान के बारे में जानकारी देनी चाहिए ताकि युवा पीढ़ी उनके बारे में जानकर प्रेरणा ले। हमे अपनी मातृभाषा पर गर्व

उन्होंने कहा कि किसी देश की तरक्की के लिए अंग्रेजी जरूरी नहीं है उन्होंने चाइना, जापान, रूस, जर्मनी जैसे देशों का उदहारण दिया ये देश आज इंग्लिश के बिना भी शक्तिशाली देश है। हमे अपनी मातृभाषा पर गर्व है और हमे हिंदी को आगे ब?ाना है। उन्होंने प्रतिनिधि मंडल में आए हुए विद्यार्थियों से कहा कि जिंदगी में नैतिक मूल्यों के आधार पर ही सफलता प्राप्त की जा सकती है।

इस अवसर पर एबीवीपी के संगठन मंत्री संदीप और थिंक इंडिया चंडीगढ़ के कन्वीनर प्रशांत गोयल, थिंक इंडिया पंजाब यूनिवर्सिटी के कन्वीनर कपिल शर्मा और कानून के अन्य छात्र छात्राएं भी मौजूद थे।

लाउडस्पीकर विवाद, योगी ने चेताया

धर्म की आड़ में धौंस दिखाना छोड़ दो...

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी में कहा कि उनकी सरकार सभी धर्मों को समान सम्मान देती है, लेकिन अगर लोग दूसरों को परेशान करने के लिए अपनी आस्था का घिनौना प्रदर्शन करते हैं, तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम योगी ने जमीनी स्तर के अधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बात करते हुए कहा, %कुछ लोगों ने हनुमान जयंती के अवसर पर सूबे के माहौल को प्रदूषित करने की कोशिश की थी, इसको देखते हुए सीएम ने अधिकारियों से 3 मई को ईद और अक्षय तृतीया एक साथ मनाए जाने की संभावना के लिए तैयार रहने को कहा।

इलाकाई धर्मगुरुओं के संपर्क में रहने का दिया निर्देश

सीएम ने वरिष्ठ अधिकारियों को उन्हें सौंपे गए अधिकार क्षेत्र के भीतर धार्मिक नेताओं और मस्जिदों और मंदिरों में समारोहों का प्रबंधन करने वाली समिति के साथ लगातार संपर्क में रहने के लिए कहा है। शहरी क्षेत्रों और गांवों में प्रतिनियुक्त कॉस्टेबलों को सख्त निगरानी रखने और नियमों के उल्लंघन और उपद्रवियों के जमावड़े की सूचना जिला मुख्यालय को देने के लिए भी कहा गया है।पूर्वी यूपी में तैनात एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि, 'गांवों और ग्रामीण हिस्सों में दोनों ही समुदायों के बीच संबंध मजबूत हैं।

21 जुआरी हार-जीत का दांव लगाते पकड़े

पुलिस ने मौके से पौने तीन लाख बरामद किए

मुरैना। मुरैना के जौरा में भरे बाजार में जुआ खेलते 21 जुआरी पकड़े गए हैं। इन जुआरियों को कब्जे से पुलिस ने पौने तीन लाख रुपए बरामद किए हैं। जैसे ही पुलिस ने छापा मारा जुआरियों में भगदड़ मच गई। कुछ भागने में भी सफल हो गए, बावजूद पुलिस के हाथ 21 जुआरी लग गए। बता दें, कि जौरा कस्बे में बीच बाजार में एक मकान में लंबे समय से जुआ का फड़ चलने की सूचना पुलिस को मिल रही थी। पुलिस को पता लगा कि गुरुवार को दिन में ही जुआ खेला जा रहा है। इस पर पुलिस ने छापा मारा तो देखा कि मकान में कई व्यक्ति जुआ खेल रहे हैं। छापे के दौरान कुछ व्यक्ति भाग जाने में सफल रहे वहीं पुलिस ने 21 लोगों को मौके से पकड़ लिया है। पकड़े गए व्यक्तियों में कुछ जौरा के प्रभावशाली व्यक्ति भी हैं।

पौने तीन लाख की रकम जब्त

पुलिस ने जुआरियों से मौके से 2 लाख, 75 हजार रुपए बरामद किए हैं साथ ही एक ताश की गड्डडी भी बरामद की है।

दिल्ली में बीजेपी की अहम बैठक

एससी-एसटी वोटर्स को साधने पर बनी रणनीति

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी । मध्य प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत बीजेपी ने गुरुवार को दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ समन्वय बैठक की। सूत्रों के मुताबिक इसमें उन वोटर्स की बात की गई जो बीजेपी के साथ पहले थे, लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने पार्टी का साथ छोड़ दिया था। अब फिर से उनका दिल कैसे जीता जाए, बैठक में इस पर चर्चा की गई।

बीजेपी नेताओं से राज्य में अनुसूचित जाति और जनजाति के वोटर्स के बीच काम करने को कहा गया। मध्य प्रदेश में ये बीजेपी के परम्परागत वोटर माने जाते थे, लेकिन 2018 के विधानसभा चुनाव में बड़ी संख्या में इस समुदाय के वोटर पार्टी से छिटक गए। मीटिंग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तरफ से भी फीडबैक दिया गया कि किन एरिया में बीजेपी को ज्यादा काम करने की जरूरत है।

ये हुए शामिल

बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राष्ट्रीय संगठन महासचिव बीएल संतोष, राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, मध्य प्रदेश के प्रभारी मुरलीधर राव, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा, प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, प्रदेश के बीजेपी संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश और प्रदेश के तीनों प्रांत प्रचारक भी शामिल रहे।

न्यूज़ ट्रैक....

आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले 8 गेंदबाज बने अश्विन

मुम्बई । राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर आर अश्विन ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मुकाबले में रजत पाटीदार का विकेट लेते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रजत का विकेट लेते ही अश्विन आईपीएल में 150 विकेट लेने वाले छठे भारतीय और 8 गेंदबाज बने हैं। विराट से पहले आईपीएल में 5 भारतीय गेंदबाजों ने 150 से अधिक विकेट लिए हैं। वहीं इसके साथ ही अश्विन टी20 क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन के अब टी20 क्रिकेट में 271 विकेट हो गए हैं। इस मामले में उन्होंने भारत के ही लेग स्पिनर पीयूष चावला और युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा है। चावला ने भारत के लिए टी20 क्रिकेट में 270 विकेट जबकि चहल ने 265 विकेट लिए हैं। अश्विन ने बेंगलुरु के खिलाफ 4 ओवर में 4.2 की इकोनमी से 17 रन दिए और 3 अहम विकेट लिए।

बटलर का बेहतर प्रदर्शन जारी रहेगा

मुंबई (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में अब तक शानदार बल्लेबाजी करने वाले राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज जोस बटलर का अच्छा प्रदर्शन आगे भी जारी रहेगा। पीटरसन का कहना है कि बटलर अभी अच्छी लय में चल रहे हैं और जिस प्रकार उन्होंने सात मैच में तीन शतक लगाये हैं , उससे यह बात साबित होती है। पीटरसन ने कहा, 'इस प्रकार की पारियों से ही आईपीएल शानदार हुआ है। दर्शकों को यह पसंद है, हमें यह पसंद है, स्टूडियो में सभी लोगों को यह पसंद है। मेरे कहने का अर्थ यह है कि उसने कुछ ऐसे शॉट खेले जो आपको देखने को नहीं मिलेंगे। आप इस तरह के शॉट का अभ्यास नहीं कर सकते हैं।' इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'यह शॉट या तो आपके पास होंगे या फिर नहीं होंगे। जब बटलर इस तरह बल्लेबाजी करते हैं तो आप केवल इतना बोल पाते हो कि वह कितने शानदार हैं। बटलर समय लेते हैं और फिर उसका लाभ उठाते हैं।' दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बटलर ने 65 गेंद में 116 रन बनाये और इस दौरान 9 छक्के और इतने ही चौके लगाये। पीटरसन ने कहा, 'जोस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की और मुझे भरोसा है कि वह ऐसी बल्लेबाजी आगे भी जारी रखेगा क्योंकि जब आप टूर्नामेंट में इस तरह की फॉर्म में होते हो तो आप बल्लेबाजी करते चले जाते हो, विशेषकर जब विकेट अच्छे होते हैं।'

अर्शदीप के प्रदर्शन से प्रभावित हुए शास्त्री

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें जल्द ही भारतीय टीम में जगह मिलेगी। शास्त्री के अनुसार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पिछले तीन सत्र में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण अर्शदीप को टी20 टीम में जगह मिल सकती है। अर्शदीप ने साल 2019 में आईपीएल में पदार्पण किया था। इसके बाद से ही वह पिछले चार सत्र से ही पंजाब किंग्स टीम में बने हुए हैं। फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले जिन दो खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा था, उनमें अर्शदीप भी शामिल थे। इस 23 वर्षीय तेज गेंदबाज ने नई गेंद से अपने खेल को बेहतर बनाने के साथ ही 'डेथ ओवरों% में भी शानदार गेंदबाजी की है। शास्त्री ने कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को दबाव के हालातों में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखना एक अच्छा अनुभव है।

अंक तालिका में सातवें स्थान पर है कैपिटल्स

कैपिटल्स की बराबरी पर आने के लिए मैदान में उतरी केकेआर

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स की टीम गुरुवार को आईपीएल के लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत दर्ज करने के साथ ही लय हासिल करने के इरादे से उतरेगी। दिल्ली को पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में अब अगर उसे इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो उस हार से उबरकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का पृथकवास पूरा हो गया है और वह इस मैच के लिए टीम से जुड़ गये हैं। इससे भी टीम को लाभ होगा। कोच को उम्मीद है कि उनकी टीम समय के साथ ही लय हासिल कर लेगी। कैपिटल्स ने अब तक खेले सात मैचों में से तीन में जीत हासिल करने के साथ ही अंकतालिका में सातवां स्थान हासिल किया है। वहीं केकेआर को अपने पिछले चार मैचों में हार का सामना करना पड़ा है और वह दिल्ली कैपिटल्स से एक स्थान पीछे सातवे नंबर पर है। ऐसे में इस मैच में कैपिटल्स जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

दिल्ली के पास बल्लेबाजी में डेविड वार्नर के अलावा पृथ्वी शॉ, ऋषभ पंत और रोवमैन पॉवेल जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर उसके

बल्लेबाजों को केकेआर के गेंदबाजों से सावधान रहना होगा। वार्नर पिछले मैच में विफल रहे थे और ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इसके अलावा पृथ्वी भी अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने का प्रयास करेंगे।

कप्तान ऋषभ पंत को भी अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी। अब तक वह कोई बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। ऑलराउंडर ललित यादव, शार्दुल ठाकुर और अक्षर पटेल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऋषभ अभी तक अपनी प्रतिभा के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं हालांकि वह एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं जो कभी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। पॉवेल ने पिछले मैच में आक्रामक बल्लेबाजी की थी और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेंगे। गेंदबाजी की बात करें तो दिल्ली के गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है हालांकि पिछले मैच में वे प्रभावशाली नहीं रहे थे। खलील अहमद के अलावा मुस्ताफिजुर रहमान भी विरोधी टीम पर अंकुश लगा सकते हैं।

स्पिनर कुलदीप यादव भी अच्छे फार्म में हैं जिसे वह बरकरार रखना चाहेंगे। वहीं अन्य स्पिनर अक्षर और ललित ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में इनके ओवर अहम रहेंगे। वहीं दूसरी ओर केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर को इस मैच सही संयोजन रखना होगा। बल्लेबाजी में कप्तान श्रेयस अय्यर , आरोन फिंच और नीतीश राणा से टीम को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। टीम को यदि जीत दिलानी है तो श्रेयस को बड़ी पारी खेलनी होगी।

श्रेयस, नीतीश राणा, रिंकू सिंह और वेंकटेश अय्यर को दिल्ली के गेंदबाजों से सतर्क रहना होगा। केकेआर के पास अनुभवी तेज गेंदबाज उमेश यादव और टिम साउदी हैं जो इस मैच मैच में स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के साथ मिलकर दिल्ली के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा सकते हैं।

ऋषभ को कप्तानी के लिए तैयार करें : युवराज

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को भारतीय टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया जाना चाहिए, जिससे वह भविष्य में कप्तानी संभालने के लिए तैयार हो सकें। युवराज के अनुसार ऋषभ ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका प्रदर्शन लगातार बेहतर होता गया है। युवराज ने कहा, 'चयनकर्ताओं को ऋषभ को भविष्य की भूमिका के लिए भी तैयार करना चाहिए। वह युवा हैं और भविष्य में वह कप्तान बनने की क्षमता रखता है। इसके साथ ही वह विकेटकीपर भी हैं, जिनकी नजरें और दिमाग मैदान में सबसे अधिक चलते हैं , इसलिए वह इस भूमिका के लिए सबसे अधिक उपयुक्त रहेगा। इस पूर्व ऑलराउंडर ने कहा कि इस युवा को जिम्मेदारी दें और एक साल तक उनसे कुछ चमत्कार की उम्मीद मत कीजिए। उसके बाद मुझे पूरा भरोसा है कि यह खिलाड़ी इस भरोसे पर खरा उतरेगा। युवराज ने ऋषभ की परिपक्वता पर सवाल उठाने वालों को करार जवाब देते हुए कहा कि जब विराट को कप्तान बनाया गया था। तब वह भी परिपक्व नहीं

थे जबकि यह विकेटकीपर बल्लेबाज समय के साथ ही परिपक्व होता जा रहा है। साथ ही कहा कि मुझे नहीं पता कि अन्य लोग कैसे सोचते हैं पर यहां मुझे लगता है कि वह नेतृत्व के लिए सर्वश्रेष्ठ विकल्प हैं।

उन्होंने बताया कि जब भी वह इस क्रिकेटर से बात करते हैं तो वह ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट का उदाहरण देता है, जिनके नाम 17 टेस्ट शतक है। युवराज ने कहा कि ऋषभ के नाम अभी से ही चार टेस्ट शतक हैं और वह दुनिया के सार्वकालिक सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाज़ बनने की ओर अग्रसर है।

आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पर है गुजरात टाइटंस

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजराज टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद पर पांच विकेट से जीत दर्ज करने के साथ ही शीर्ष पर पहुंच गयी है। गुजरात की ओर से राशिद खान ने आखिरी ओवर में तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। इसी के साथ ही गुजरात ने अंक तालिका में एक बार फिर शीर्ष स्थान बनाये रखा है। इस जीत के साथ ही गुजरात टाइटंस की टीम ने आठ में से सात मैच जीतकर 14 अंक के साथ शीर्ष स्थान बनाया है। वहीं इस मैच में हार के साथ ही सनराइजर्स का लगातार पांच मैचों में जीत का सिलसिला भी टूट गया। सनराइजर्स इसी के साथ ही आठ मैचों में 10 अंक लेकर तीसरे स्थान

मनीला में बैडमिंटन एशिया चैम्पियनशिप के मिश्रित युगल में खेलती हुई मलेशियाई जोड़ी।

राशिद ने बल्ले से दिखाया कमाल

मुम्बई । गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान ने इस बार बल्लेबाजी में कमाल दिखाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर अपनी टम को जीत दिलाई। इस मैच के आंखिरी ओवर में गुजरात को जीत के लिए 22 रनों की जरूरत थी पर राहुल तेवतिया ने पहली ही गेंद पर छक्का और दूसरी गेंद पर एक रन ले लिया। इसके बाद राशिद ने तीन छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उन्होंने अंतिम गेंद पर छक्का लगाकर विजयी रन लिये।

जीत के बाद उत्साहित राशिद ने कहा, ''बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे अपनी बल्लेबाजी और फिटनेस पर पूरा भरोसा था। मुझे खुशी है कि सनराइजर्स के खिलाफ मैंने इस प्रकार का प्रदर्शन किया।'' उन्होंने कहा ,'' मैने अपनी बल्लेबाजी पर भरोसा बनाये रखा क्योंकि

पिछले दो साल से इस पर मेहनत कर रहा था। जब आखिरी ओवर में 22 रन बनाने थे तो मैंने तेवतिया से कहा कि हमारे सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज फर्ग्युसन के अंतिम ओवर में 25 रन गये थे और अब हमें रन बनाने हैं। हमें किसी भी प्रकार मैच जीतना है।'' इस दौरान अगर किसी गेंद पर रन नहीं भी बनता तो डरने की जरुरत नहीं है।

व्यापार न्यूज

एलन मस्क की नजरें अब कोका-कोला पर

नई दिल्ली । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क का एक नया ट्वीट काफी चर्चा में है। एलन मस्क ने गुरुवार सुबह ट्वीट कर कोका कोला खरीदने की बात कही है। मस्क ने ट्वीट किया अब मैं कोका कोला खरीदने जा रहा हूं, ताकि उसमें कोकीन डाल सकूं। एक स्क्रीन शॉट को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, सुनो मैं चमत्कार नहीं कर सकता। मस्क ने जो स्क्रीन शॉट शेयर किया है उसमें लिखा है अब मैं मेकडोनल्ड और सभी आइस क्रीम मशीन खरीदने जा रहा हूं। गौरतलब है ?कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क ने सोमवार को ट्विटर को 44 अरब खरीदा और इस प्रकार उसे 21.7 करो? यूजर्स वाले मंच का नियंत्रण पा लिया है। ट्विटर को खरीदने के बाद एलन मस्क ने कहा सबसे पहला ट्वीट फ्री स्पीच को लेकर किया था जिसमें उन्होंने संकेत दिया था कि हर व्यक्ति को यहां अपनी बात रखने और बोलने की स्वतंत्रता होगी।

मर्सिडीज बेंज ने भारत में सी-क्लास सेडान का उत्पादन शुरू किया

मुंबई । जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने अपने पुणे के चाकण संयंत्र में पांचवीं पीढ़ी की सी-क्लास लग्जरी सेडान का उत्पादन शुरू कर दिया है। इस कार को कंपनी अगले महीने भारतीय बाजार में लांच करने की योजना बना रही है। सी-क्लास मॉडल को भारत में पहली बार 2001 में उतारा गया था। मर्सिडीज बेंज ने कहा कि इस समय 37,000 ऐसी कारें सड़कों पर दौड़ रही हैं। लग्जरी सेडान को घरेलू बाजार में 10 मई को उतारने की तैयारी है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस मॉडल के तीन संस्करण सी200, सी200डी और टॉप-एंड सी300 डी उपलब्ध होंगे। बीते साल 2021 में भारत में कंपनी की बिक्री 43 प्रतिशत बढ़ी है। 2020 का साल काफी खराब रहा था, लेकिन उसके बाद मांग में सुधार से कंपनी की बिक्री में उछाल आया। कंपनी इस साल अपनी बिक्री में दहाई अंक में वृद्धि की उम्मीद कर रही है।

राज्यों को आठ महीने की जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने कहा कि केंद्र ने 31, मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए राज्यों को आठ महीने का जीएसटी क्षतिपूर्ति बकाया पहले ही जारी कर दिया है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार ने आठ महीने का जीएसटी क्षतिपूर्ति बकाया जारी कर दिया है और उपकर कोष में अपर्याप्त राशि होने के कारण 78,704 करोड़ रुपए लंबित हैं। मंत्रालय ने कहा कि आम तौर पर किसी भी वित्त वर्ष के लिए दस महीने (अप्रैल से जनवरी) के लिए जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी की जाती है। जबकि फरवरी-मार्च के लिये क्षतिपूर्ति अगले वित्त वर्ष में दी जाती है। मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 के दस में से आठ महीनों के लिए राज्यों का जीएसटी क्षतिपूर्ति जारी कर दी गई है। लंबित राशि भी तब जारी की जाएगी जब उपकर कोष में प्राप्त राशि होगी।

एनटीपीसी और एनर्जी वॉल्ट ने मिलाया हाथ

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी ने स्विस कंपनी एनर्जी वॉल्ट से हाथ ?मिलाया है। यह समझौता संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम के आधार पर गुरुत्वाकर्षण आधारित ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर समाधानों की तैनाती के लिए किया गया है। एक बयान में कहा गया है कि एनटीपीसी ने इस संबंध में एनर्जी वॉल्ट होल्डिंग्स, इंक (एनर्जी वॉल्ट) के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते का उद्देश्य एक संयुक्त व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम के आधार पर एनर्जी वॉल्ट की ईवीएक्स गुरुत्वाकर्षण-आधारित ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर समाधानों की तैनाती के लिए दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी कायम करना है। इसके साथ ही यह तकनीक एनर्जी वॉल्ट के गुरुत्वाकर्षण-आधारित ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए मिश्रित ब्लॉकों के निर्माण के लिए कोयले की राख के लाभकारी उपयोग की भी पेशकश करती है।

वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख से शेयर बाजार की तेज शुरुआत

सेंसेक्स 57,200 और निफ्टी 17,189 अंक पर

डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे टूटा

अमेरिकी डॉलर की मजबूती और विदेशी कोषों की बिकवाली जारी रहने के चलते रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 10 पैसे की गिरावट के साथ 76.67 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 76.60 पर खुला और फिर गिरावट दर्ज करते हुए 76.67 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की कमजोरी दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले किसी फेरबदल के बिना 76.57 पर बंद हुआ था। छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.37 प्रतिशत बढ़कर 103.34 पर पहुंच गया।

मुंबई । वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक रुख की वजह से गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी दर्ज की गई। इस दौरान 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 477.05 अंक बढ़कर 57,296.44 अंक पर कारोबार कर रहा था, जबकि एनएसई निफ्टी 151.1 अंक उछलकर 17,189.50 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में यूनिलीवर लिमिटेड, सन फार्मा, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, पावर ग्रिड, डॉ रेड्डीज और एमएंडएम बढ़ने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे। दूसरी ओर एचसीएल टेक्नालॉजीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और बजाज फाइनेंस लाल निशान में थे।

हिंदुस्तान यूनिलीवर का मुनाफा पांच फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का 31 मार्च को समाप्त बीते वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही का मुनाफा 5.34 फीसदी की वृद्धि के साथ 2,307 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है। कंपनी ने एक साल पहले जनवरी-मार्च की तिमाही में 2,190 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। एचयूएल ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी बिक्री से आय 10.21 फीसदी के उछाल के साथ 13,468 करोड़ रुपए रही जो एक साल पहले की समान अवधि में 12,220 करोड़ रुपए थी। एचयूएल बीते वित्त वर्ष में 50,000 करोड़ रुपए कारोबार करने वाली कंपनी बन गई है। वह यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली पहली एफएमसीजी कंपनी है। एचयूएल ने अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि तिमाही के दौरान मात्रा के हिसाब से वृद्धि स्थिर रहने के बीच उसके कारोबार में 10 फीसदी तक बढ़ोतरी हुई। कंपनी का कर पूर्व (ईबीआईटीडीए) मार्जिन मुद्रास्फीतिक दबाव के बावजूद 24.6 फीसदी रहा। वहीं कुल खर्च 9,667 करोड़ रुपए के मुकाबले 10,782 करोड़ रुपए रहा। मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एचयूएल का मुनाफा 11.16 फीसदी बढ़कर 8,892 करोड़ रुपए हो गया। जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 7,999 करोड़ रुपए का मुनाफा दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी की परिचालन आय 51,472 करोड़ रुपए थी। यह इससे पिछले वित्त वर्ष के 46,269 करोड़ रुपए से 11.24 फीसदी अधिक है।

एयर इंडिया ने एयर एशिया इंडिया के अधिग्रहण का रखा प्रस्ताव, सीसीआई से मांगी अनुमति

नई दिल्ली । टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने किफायती विमानन सेवा एयर एशिया इंडिया के अधिग्रहण का प्रस्ताव रखा है और इस प्रस्तावित सौदे के लिए प्रतिस्पर्धा आयोग से मंजूरी मांगी है। एयरएशिया इंडिया में 83.67 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड के पास है और बाकी हिस्सेदारी एयर एशिया इंवेस्टमेंट लिमिटेड (एएआईएल) के पास है, जो मलेशिया के एयर एशिया समूह का हिस्सा है। एयर इंडिया और इसकी सहायक इकाई एयर इंडिया एक्सप्रेस को पिछले साल टाटा संस प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी टैलेस प्राइवेट लिमिटेड ने अधिग्रहित कर लिया है।

ट्रेंट को 20.87 करोड़ का घाटा, आय 1,328.86 करोड़

नई दिल्ली । टाटा समूह की खुदरा इकाई ट्रेंट लिमिटेड को मार्च, 2022 में समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 20.87 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। कंपनी ने एक साल पहले जनवरी-मार्च तिमाही में 17.44 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में ट्रेंट ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी परिचालन आय 1,328.86 करोड़ रुपए रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 905.55 करोड़ रुपए के आंकड़े से 46.74 प्रतिशत अधिक है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में ट्रेंट का कुल खर्च 1,364.64 करोड़ रुपए था। ट्रेंट ने अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि महामारी की तीसरी लहर के कारण जनवरी-फरवरी, 2022 के दौरान कारोबार प्रभावित हुआ था।

कार्यालय नगर परिषद मालनपुर जिला भिण्ड (म.प्र.)

mail id -cmomalanpur@mpurban.gov.in

क्रमाक / 2022 / 842 मालनपुर दिनांक 27/04/2022

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीयकृत पंजीयन व्यवस्था के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत समस्त इच्छुक ठेकेदारों से मालनपुर में मुक्तिधाम का जिर्णोद्धार (दहाक्रिया संस्कार सेड प्रतिक्षालय, सी. सी. रोड) निर्माण कार्य अनुमानित लागत 1653001 /- रू. धरोहर राशि 12398 /- रू. निविदा प्रपत्र मूल्य 2000/- रू. टेण्डर क्रमांक 2022_UAD_199916_1 हेतु ऑनलाईन निविदा दरें दिनांक 03/06/2022 तक आमंत्रित की जाती है। दरें नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के UADD ISSR प्रभावी दिनांक 02 अगस्त 2021 से आज दिनांक तक संशोधित आधार पर कम / अधिक आधार पर डाली जावेगी। कार्य के संबंध में विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद मालनपुर जिला भिण्ड
मालनपुर दिनांक 27/04/2022

कांग्रेस में बड़ा बदलाव, कमलनाथ ने छोड़ा नेता प्रतिपक्ष पद, डॉ. गोविन्द सिंह को बनाया

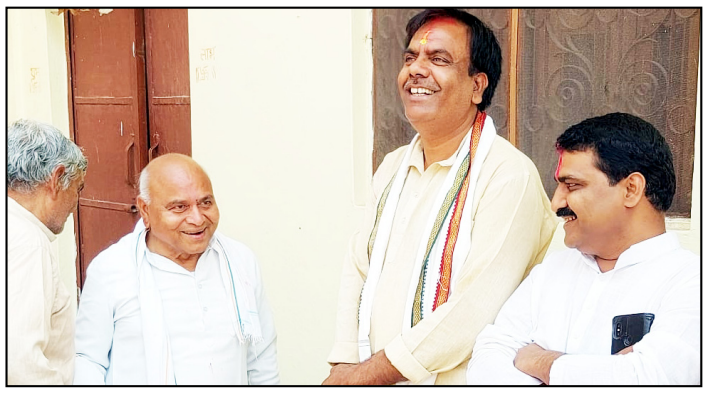

नगर में खुशी की लहर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने वितरण किये लड्डू

भिण्ड। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने आखिरकार मध्यप्रदेश में बड़ा बदलाव करते हुए कमलनाथ की जगह जिले की लहार विधानसभा से लगातार सात बार के विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ गोविंद सिंह को नेता प्रतिपक्ष बनाने के संदर्भ में पत्र जारी कर दिया है। पत्र में जहां कमलनाथ का इस्तीफा स्वीकार करने की बात कही गई है तो वहीं डॉक्टर गोविंद सिंह को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के बारे में लिखा गया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल द्वारा जारी पत्र के अनुसार कमलनाथ मध्य प्रदेश कांग्रेस के चीफ बने रहेंगे। आपको बता अमब कि कमलनाथ लंबे समय से दोनों पद अपने पास रखे हुए थे। जब कमलनाथ मुख्यमंत्री बन गए थे उसके बाद भी उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष का पद नहीं छोड़ा था और कांग्रेस की सरक गिरने के बाद उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का पद खुद ही हथिया लिया था। लेकिन अब जाकर कांग्रेस प्रेसिडेंट सोनिया गांधी द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों से महज डेढ साल पहले यह बडा बदलाव किया गया है।

सूत्रों की मानें तो इस समय दिग्विजय सिंह सोनिया गांधी की टीम में उनके बेहद करीब हैं। ऐसे में हमेशा से दिग्विजय सिंह के करीबी रहे डॉ गोविंद सिंह को नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के लिए पहले से ही चल रही कवायद पर सोनिया गांधी ने अंतिम मुहर लगा दी। डॉ. गोविन्दसिंह को कांग्रेस का नेता प्रतिपक्ष बनाए जाने के कयास सरकार बदलने के बाद से ही लगाए जा रहे थे। चूंकि कमलनाथ पद पर डटे हुए थे, ऐसे में डॉक्टर गोविन्दसिंह को नेता प्रतिपक्ष की कमान मिलने में लंबा समय लग गया है। यह दूसरा मौका है जब भिंड से कोई व्यक्ति कांग्रेस का नेता प्रतिपक्ष बना है। इससे पहले भिंड की अटेर विधानसभा से विधायक रहे स्व. सत्यदेव कटारे कांग्रेस के प्रतिपक्ष नेता रह चुके हैं। इस खुशी के मौके पर कांग्रेस नेता एवं जिलाउपाध्यक्ष बृजेन्द्रसिंह उर्फ कल्लू भारौली, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाह ने शहर में जगह लोगों को लड्डू वितरण किये और इस मौके पर कई कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डेयरी पर केमिकल से बन रहा था नकली दूध, पुलिस व फूड अफसरों ने छापा मारकर करी कार्रवाई

कमरों की तलाशी लेने पर निकली नकली दूध बनाने की सामग्री

भिण्ड। कस्बा क्षेत्र फूप में राम नगर वार्ड क्र.11 में एक दूध डेयरी पर नकली दूध बनाकर सप्लाई किया जा रहा था, जिसकी सूचना फूप विभाग व पुलिस को मिली तो संयुक्त कार्रवाई करते हुए नकली दूध बनाने की सामग्री जप्त की। इसके साथ ही फूड सेफ्टी अफ्सरों ने लिक्विड डिटरजेंट, हाईड्रोजन पर आक्साइड, माल्ट पाउडर, सोयाबीन रिफाइंड आयल समेत अन्य मिलावट केमिकल पकडे। फूप थाना पुलिस ने दो लोगों को एफआईआर दर्ज कर ली।

फूप थाना प्रभारी उपेन्द्र छारी ने बताया कि बुधवार को फूप कस्बे के रामनगर वार्ड 11 में डेयरी पर फूड विभाग के अफसरों के साथ छापामार कार्रवाई करने पहुंचे। यहां छापामार कार्रवाई के दौरान डेयरी से नकली दूध बनाने में इस्तेमाल होने वाली सामग्री मिली है। फूड सेफ्टी अफसर अवनीश गुप्ता, अफ्सर रीना बंसल और फूप थाना टीआइ उपेंद्र छारी दोपहर के समयडेयरी पर पहुंचे। यहां डेयरी में कर्मचारी रणवीर सिंह यादव पुत्र नवाब सिंह यादव निवासी ग्राम जौरी अहीर मिला। डेयरी के दो कमरों और एक बरामदे में नकली दूध बनाने का गोरखधंधा किया जा रहा था। आंगन में दूध का टैंकर क्रमांक यूपी 75 ई 9321 खडा हुआ था। टैंकर में लगभग चार हजार लीटर दूध भरा था जोकि बाजार सप्लाई होने जा रहा था जिसे अफ्सरों ने पकडा और सैम्लप भरकर डेयरी कर्मचारी के सुपुर्द किया।

कमरो से बरामद की नकली दूध बनाने की सामग्री

पुलिस के पूछने पर कर्मचारी यादव ने टीम को बताया है कि यह मिक्स दूध है, जिसे सप्लाई के लिए भेजा जाना है। टीम ने डेयरी परिसर के कमरों में तलाशी ली तो यहां से भारी मात्रा में नकली दूध बनाने की सामग्री मिली है। जिससे जब्त कर लिया गया है। डेयरी का संचालन धीरज सिंह भदौरिया पुत्र बलवीर सिंह भदौरिया कर रहे हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी गुप्ता की रिपोर्ट पर फूप थाना पुलिस ने संचालक भदौरिया और कर्मचारी यादव पर एफआइआर दर्ज की है।

डेयरी से मिली मिलावटी सामग्री

डेयरी पर मौके से वनस्पति के 15 किलो के 13 जारए चार जार हीटर पर गर्म किए जाते मिले हैं। पाम आयल के सात टिन भरे हुए। हाईड्रोजन परआक्साइड की 30 लीटर की दो कैनए लिक्विड डिटरजेंट की पांच लीटर की तीन कैनए शैंपू की भरी बोतलें और दो खाली बोतलेंए माल्ट पाउडर की 25 किलो की छह बोरीए सोयाबीन रिफाइंड आयल की एक लीटर के छह पैकेट भरे और 15 खालीए एक तसले में 10 किलो दूध बनाने का तैयार घोलए एक बोरी में 10 किलो कास्टिक फ्लैक्स रखी मिली है। टीम ने यहां से दूध और मौके पर मिली सभी सामग्री से आठ सैंपल लिए हैं।

संक्षिप्त समाचार

किसानों को गाय पालने के लिए 900 रूपये प्रति माह देगी भारत सरकार : विजय दैपुरिया

भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने पीएम नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति जताया आभार

भिण्ड। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व कर रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के प्रति संवेदनशील होकर महत्वपूर्ण निर्णय के साथ किसानों को बहुत बड़ी राहत दी है जोकि ग्रामीण अंचलों में गायों को पालने वाले किसानों के लिए बहुत बड़ी सौगात के रूप में योजना बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है जिसमें मध्यप्रदेश में देसी गाय पालने वाले जोकि प्राकृतिक खेती करने वाले किसान यदि गाय पालते हैं तो उन्हें ?900 प्रति माह देगी ताकि मिलने वाला गोबर खेती के काम में आएगा जिससे किसानों के खेत में उस खाद को मिलाकर खेती को उपजाऊ बनाया जा सकेगा । इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विजय दैपुरिया ने कहा कि यदि किसान देसी गाय पालते हैं तो उन्हें राज्य सरकार 900 रूपया प्रति माह यानी ?10800 हर साल देगी । देसी गाय से प्राकृतिक खेती के लिए गोबर और उस से बनी खाद मिल सकेगा जो खेती और जमीन दोनों के लिए उपयोगी है । यह घोषणा सोमवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नीति आयोग की कार्यशाला में की है दिल्ली में आयोजित इस कार्यशाला में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी चौहान वर्चुअली जुड़े थे । उन्होंने बताया कि सरकार जिस तरह से हरित क्रांति के लिए किसानों को रासायनिक खाद पर सब्सिडी और अन्य सहायता देती है उसी तरह प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहन दिया जाएगा । प्राकृतिक खेती के लिए देसी गाय जरूरी है प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को कृषि किट खरीदने के लिए 75 प्रतिशत राशि सरकार देगी किसान मोर्चा के सभी पदाधिकारियों से निवेदन है कि अपनी अपनी खेती में से कम से कम 1 एकड़ में प्राकृतिक खेती कराएं इससे दूसरे किसान प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के संयुक्त निर्देशों पर यह योजना किसानों के लिए बहुत लाभदायक साबित होगी और जो गोबर लोग एकत्रित करते हैं वह बर्बाद नहीं जाएगा, एक जगह इकट्ठा होकर फसल को ब्याव बनाने के लिए यह जैविक खाद का उपयोग किया जा सकेगा जिससे किसान के खेत में फसल को कोई नुकसान नहीं होगा और अच्छी उपजाऊ के रूप में विकसित होगी।

सेव द चिल्ड्रन का हुआ सम्मान

भिण्ड । समाज सेवी संस्था सेव द चिल्ड्रन द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान में सहयोग, कोरोना से बचाव के तरीकों के बारे में समाज को जागरूक करने एवं स्वास्थ्य मेलों का आयोजन करने में दिए गए योगदान के लिए कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस दौरान कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने कहा कि समाज को कोविड महामारी से बचाने हेतु लोगो में जागरूकता लाना, टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक कर उनका टीकाकरण कराना समाजसेवी संस्थाओं और प्रशासन के आपसी सहयोग और समन्वयन से ही संभव हुआ है हम सब इसी प्रकार मिलकर न केवल समाज का उत्थान कर सकते है बल्कि भविष्य में इस प्रकार के खतरों से भी समाज को सुरक्षित बना सकते है। मोंडलीज के सहयोग से सेव द चिल्ड्रन की टीम ने स्टेट लीड प्रदीप नायर के मार्गदर्शन में गोहद विकास खण्ड में कोविड महामारी के दौरान ऑक्सीजन कंसट्रेटर देकर, कोरोना से बचाव के तरीकों के बारे में विभिन्न माध्यमों से लोगों को जागरूक कर और टीकाकरण में सहयोग कर उल्लेखनीय कार्य किया है इस हेतु संस्था के सहायक प्रबंधक दीपेंद्र सिंह तोमर, समन्वयक फिरोज खांन, प्रगति मिश्रा, मनोज बिजौलिया को कलेक्टर के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कलेक्टर ने सेल्स ऑफीसर इण्डेन एवं एचपीसीएल से एक सप्ताह में मांगा प्रतिवेदन

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने सेल्स ऑफीसर इण्डेन ग्वालियर अर्पित षिवहरे एवं सेल्स ऑफीसर एचपीसीएल ग्वालियर एसके श्रीवास्तव से घरेलू गैस सिलेण्डरो के हो रहे दुरूपयोग के संबंध में क्या कार्यवाही की गई है का प्रतिवेदन एक सप्ताह में प्रस्तुत करने को कहा है। कलेक्टर ने सेल्स ऑफीसर इण्डेन अर्पित शिवहरे एवं सेल्स ऑफीसर एचपीसीएल ग्वालियर एसके श्रीवास्तव को पत्र जारी कर कहा कि जिले में घरेलू गैस सिलेण्डरों के व्यावसायिक उपयोग एवं गैस ऐजेन्सियों द्वारा अनाधिकृत विक्रय केन्द्र स्थापित कर उनका विक्रय किये जाने की शिकायतें प्राप्त हो रही है। विगत दिनों भिण्ड शहर में एक व्यावसायिक स्थल पर सिलेण्डर में विस्फोट होने पर दो व्यक्ति घायल हो गये है। आपकी कम्पनी द्वारा संचालित गैस ऐजेन्सी के द्वारा निर्धारित गोदाम व संग्रह करने के स्थलो पर सुरक्षा के उपाय नहीं किये जा रहे है। आपके द्वारा सुरक्षा उपायो के बारे में आम उपभोक्ताओं को न तो जागरूकता शिविर लगाये जा रहे है और न ही सुरक्षा उपायो की जांच की जा रही है। आपके द्वारा जिला प्रशासन को एलपीजी वितरण व्यवस्था के संबंध में कोई भी रिपोर्ट या कार्यवाही करने से संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं करायी गयी है। यह आपकी कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता प्रदर्शित करता है।

एशियन गेम्स 2022 तथा वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए इंडिया कैंप में भिंड के पैरा खिलाड़ियों का चयन

भिण्ड। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के सहयोग से राष्ट्रीय कयाकिंग कैनोइंग के द्वारा लगाए जा रहे इंडिया पैरा कैंप में भिंड के राजवीर बघेल गजेंद्र कुशवाहा अवधेश भदोरिया गिर्राज भदोरिया पूजा ओझा अनुराधा श्रीवास का चयन हुआ है और वह 21 अप्रैल से 21 मई तक एक माही राष्ट्रीय प्रशिक्षण कैंप में कैनोइंग कयाकिंग की बारीकियां सीख रहे है उन्हें राष्ट्रीय कोच मयंक ठाकुर के निर्देशन में भोपाल छोटे तालाब पर चल रहा है इस कैंप में 6 पुरुष तथा 5 महिला खिलाड़ी सहित 11 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं यह सौभाग्य की बात है जिसमें से 4 लड़के और 2 लड़कियां भिंड जिले के ही रहने वाले हैं और उसके अलावा जितने भी खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में है वह शुरुआती दौर में भिंड बोट क्लब से ही प्रशिक्षण प्राप्त करके आज पूरे भारत के लिए विश्व स्तर पर अपना नाम रोशन कर रहे हैं किशोरी बोट क्लब संचालक एवं कयाकिंग कैनोइंग एसोसिएशन के संरक्षक राधे गोपाल के अनुसार इस कामयाबी के लिए खिलाड़ियों की लगन और मेहनत के अलावा जिला प्रशासन विशेषकर जिलाधीश सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान जिला एसोसिएशन अध्यक्ष कुलदीप सिंह कुशवाह तथा सचिव डॉ योगेंद्र यादव के अलावा संपूर्ण टीम नगर पालिका तथा भिंड के खेल प्रेमियों के द्वारा निरंतर सहयोग मिलते रहना रहा है अनिल मांझी और निश्चल यादव राहुल राजपूत दानवीर दीक्षित जी जी का योगदान भी सराहनीय है इस उपलब्धि के लिए राजेश शर्मा आलोक दीपूरिया ऋषि शिवहरे संदीप मिश्रा सुशील यादव मोनू राहुल यादव सुनील अग्रवाल डीके शर्मा धर्मेंद्र कुशवाह सहित कई गणमान्य लोगों ने बधाइयां दी है।

कुंए में गिरने से युवक की मौत

भिण्ड। मेहगांव थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरौली में एक युवक की किए में गिरने से मौत हो गई। जब लोगों ने कुएं में गिरता देखा उसके बाद जब बचाव के प्रयास किए तब तक युवक की पानी में डूबकर मौत हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। मेहगांव थाना पुलिस के मुताबिक ग्राम पिपरौली का रहने वाला अम्बरीष भारद्वाज पुत्र उमेश भारद्वाज बुधवार की शाम करीब सा? सात बजे अपने खेत पर था। यहां युवक द्वारा सरसों की तोई को ट्रैक्टर में भरवा रहा था। इसी दौरान प्यास लगी अम्बरीष कुएं पर गए और रस्सी की मदद से पानी निकाल रहा था। इसी समय पैर फिसलकर युवक सीधे कुएं में जा गिरा। इसी समय पानी में डूबने से मौत हो गई। जब लोगों ने गिरता देखा और निकालने की कोशिश की तब तक मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया।

प्रधानमंत्री आवास के लिए पैसे मांगने वाला सचिव निलंबित

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने जनपद मेहगांव के ग्राम सादुरी की ग्राम पंचायत सींगपुरा के सचिव आदित्य नारायण शर्मा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ देने के एवज में हितग्राहियों से 10 हजार रुपये की मांग किये जाने की शिकायत मिलने पर सचिव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। ग्राम सादुरी के पीएम आवास के कुछ हितग्राहियों द्वारा कलेक्टर से पैसे मांगने की शिकायत की गई थी शिकायत की जांच सही पाये जाने पर कलेक्टर ने तत्काल ग्राम पंचायत सींगपुरा के सचिव आदित्य नारायण शर्मा को निलंबित किया जाकर मुख्यालय जनपद पंचायत मेहगांव नियत कर दिया है। निलंबन अवधि में शासन के नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त होता रहेगा। सचिव का प्रभार ग्राम पंचायत सींगपुरा में पदस्थ रोजगार सहायक अर्जुन सिंह को आगामी आदेष तक सौंपा गया है। इसके साथ ही कलेक्टर ने कहा है कि प्रधानमंत्री आवास दिलाने हेतु कोई भी अधिकारी/कर्मचारी पैसे की मांग करता है, तो उसकी षिकायत कलेक्टर अथवा सीईओ जिला पंचायत भिण्ड को करें।

सामूहिक कन्या विवाह योजनान्तर्गत तैयारियों के संबंध में सीईओ जनपद एवं नगरीय निकाय के सीएमओ की ली बैठक

भिण्ड । कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत तैयारियों के संबंध में जिले के सीईओ जनपद एवं नगरीय निकायो के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जेके जैन, सीईओ जनपद पंचायत, नगरीय निकायो के सीएमओ, कोषालय अधिकारी, सामाजिक न्याय एवं अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ सतीष कुमार एस ने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में संषोधन किया गया है अब कन्याओं के विवाह सामूहिक रूप से सम्मेलन के माध्यम से शासन द्वारा कराया जाएगा। उन्होंने सभी जनपद सीईओ एवं सीएमओ नगर पालिका से कहा कि अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सूची तैयार करे कि एक साल में कितने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत विवाह सम्मेलन में सम्पन्न कराये जा सकते है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजनान्तर्गत जो सामान कन्याओं को 15 तरह तरह का सामान उपलब्ध कराया जाएगा। उस सामान की दर निर्धारित करने के लिए कमेठी बनाई जाए कमेठी का दायित्व होगा कि दर और किससे सामग्री क्रय की जाएगी उस विक्रेता के नाम की सूची तैयार करने की कार्यवाही करें। ब्लॉक स्तर पर पांच प्रबुद्ध नागरिको की समिति बनाने की कार्यवाही करने के निर्देष संबंधित अधिकारी को दिए। उन्होंने कहा कि समिति में क्षेत्रीय विधायक का नाम अवष्य शामिल किया जाए। जिला स्तर पर समिति का गठन किया जा चुका है।

पीके पर कांग्रेस की नजर

देश की सियासत में अभी एक ही चर्चा है कि आखिर प्रशांत किशोर ने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व का ऑफर क्यों ठुकराया। दरअसल, कांग्रेस ने उन्हें अपने एम्पावर्ड एक्शन ग्रुप में शामिल होने की पेशकश की थी। हालांकि, पीके को यह ऑफर पसंद नहीं आया। प्रशांत किशोर ने इस बारे में एक ट्वीट किया है। इसकी लैंग्विज से इनकार की वजह का कुछ अंदाजा लगाया जा सकता है। इंकार के पीछे के कारणों में माना जा रहा है कि पीके के टीएमसी, भाजपा और जदयूसे अच्छे संबंध है। कांग्रेस के कुछ प्रमुख नेताओं ने भी पीके को कांग्रेस में पद देने को लेकर खुलकर समर्थन नहीं किया था। अतीत में पीके नरेंद्र मोदी, नीतीश कुमार, जगनमोहन रेड्डी, ममता बनर्जी और अमरिंदर सिंह के साथ काम कर चुके हैं। जी 23 नेताओं के बीच पीके की एंट्री को लेकर कोई अच्छे संकेत नहीं मिले थे। यह जगजाहिर है कि राष्ट्रीय राजनीति में पिछले कुछ सालों से कांग्रेस मुश्किल स्थिति से गुजर रही है। फिलहाल हालत यह है कि अगर किसी चुनाव क्षेत्र में कांग्रेस को जीत या उत्साहजनक नतीजे मिलते हैं, तो उसे पार्टी के लिए विशेष महत्व का माना जाने लगा है। जबकि पार्टी के राजनीतिक इतिहास के लिहाज से देखें तो यह एक निराशाजनक तस्वीर है। हालांकि कांग्रेस आज भी देश की लोकतांत्रिक राजनीतिक के परिदृश्य में एक अहम स्थान रखती है और राष्ट्रीय स्तर पर इसकी मौजूदगी अब भी कायम है, लेकिन आम जनता में इसके प्रति समर्थन के स्तर में बड़ा फर्क आया है। इस मसले पर पार्टी के भीतर अक्सर मंथन होता रहता है और इसके नेता आपस में विचार-विमर्श करते रहते हैं। यहां तक कि चुनावों में प्रदर्शन और राष्ट्रीय स्तर पर घटते दखल के बीच पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं का जी-23 नाम से एक समूह भी बन गया, जिसमें शामिल नेता कांग्रेस की भूमिका और शीर्ष नेतृत्व को लेकर अलग-अलग रुख रखते हैं। सवाल है कि अब तक राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थिति में रही कांग्रेस आखिर किन वजहों से ऐसी हालत में पहुंच गई और उससे उबरने के लिए उसके पास क्या योजना है! ऐसा लगता है कि कांग्रेस के भीतर इस मुश्किल पर विचार तो हो रहा है, मगर जमीनी स्तर पर पार्टी को फिर पहले की तरह सक्रिय करने और जीवन देने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है। पार्टी की कोशिशें अब तक पारंपरिक राजनीतिक गतिविधियों के ढांचे में चल रही थीं, मगर कांग्रेस ने शायद नया प्रयोग करना तय किया। इस सिलसिले में चुनावी रणनीतिकार के रूप में काम करने वाले प्रशांत किशोर की सोनिया गांधी सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात को अहम माना जा रहा है। मगर अब जबकि पीके ने खुद को कांग्रेस का हिस्सा बनाने से इंकार कर दिया है तो चीजें फिर वहीं वापस लौट गई हैं, जहां से शुरू हुई थीं। कहा तो यह भी जा रहा है कि पीके से राहुल गांधी भी असहज हैं। वे दो मीटिंगों में शामिल नहीं हुए। यह समय कांग्रेस के लिए बेहद कठिन है। पीके पार्टी का हिस्सा बनें या नहीं, यह जरूरी नहीं है। जरूरी यह है कि कांग्रेस को फिर से कैसे मुकाबले में लाया जाए। इसके लिए पीके ने जो फार्मूला दिया है, उस पर काम करना होगा। प्रशांत किशोर को चुनावों के लिए रणनीति बनाने वाले व्यक्ति के तौर पर देखा जाता है और उन्होंने कई पार्टियों के लिए इस भूमिका में काम भी किया है। वे योजना और प्रबंधन के आधुनिक तौर-तरीकों की बात करते हैं और इसी मुताबिक चुनाव जीतने का भरोसा जताते हैं। लेकिन भारत में जनमत में जैसे उतार-चढ़ाव होते हैं, मतदान के ऐन पहले किसी अचानक गतिविधि की वजह से लोगों के बीच राय बदलने की प्रवृत्ति देखी जाती है।

अगले माह राजस्थान में कांग्रेस का चिंतन शिविर, तैयार होगा भविष्य का रोडमैप

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस में ग्रुप-23 के असंतुष्ट नेताओं द्वारा उठे विरोध के स्वर को दबाने के लिए कांग्रेस पार्टी अगले माह राजस्थान के उदयपुर में तीन दिवसीय चिंतन शिविर लगाने जा रही है। जिसमें देश भर से पार्टी के 400 बड़े नेता एक जगह बैठ कर पार्टी के गिरते जनाधार को रोकने व आगे होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की संभावना को लेकर चिंतन मनन करेंगे। इस चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस पार्टी भविष्य के लिए एक रोडमैप भी तय करेगी। जिसके सहारे आगे बढ़कर पार्टी अपना जनाधार एक बार फिर से बढ़ा सकें।

राजनीतिक दलों को सलाह देने वाले पेशेवर सलाहकार प्रशांत किशोर ने हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक कार्य योजना सुझायी है। जिसके माध्यम से कांग्रेस का जनाधार मजबूत हो सकता है। सोनिया गांधी से प्रशांत किशोर की चर्चा के दौरान पार्टी के बड़े नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी सहित अन्य कई पदाधिकारी मौजूद थे। चिंतन शिविर के माध्यम से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी प्रशांत किशोर के प्लान पर भी चर्चा करवा कर उसको पारित करवाएगी। ताकि भविष्य में प्रशांत किशोर का प्लान यदि फेल हो जाता है तो भी पार्टी अध्यक्ष पर अंगुली नहीं उठ पाए।

इससे पूर्व प्रशांत किशोर 2017 में उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में राहुल गांधी के साथ काम कर चुके हैं। उस दौरान उनकी सलाह पर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी द्वारा जगह-जगह खाट सभाओं का आयोजन करवाया गया था। जिस पर पार्टी का करोड़ों रुपया खर्च हो गया था। मगर परिणाम में पार्टी 403 में से मात्र 7 सीटों पर ही जीत पाई थी। उसके बाद प्रशांत किशोर राहुल गांधी से अलग हो गए थे।

आज कांग्रेस पार्टी के समक्ष सबसे बड़ी समस्या अपने गिरते जनाधार को रोकने की है। 2014 में जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे। उस समय कांग्रेस पार्टी की देश के एक दर्जन से अधिक प्रदेशों में सरकार चल रही थी। मगर धीरे-धीरे करके प्रदेशों में चुनाव हारने के चलते आज कांग्रेस पार्टी की सिर्फ राजस्थान और छत्तीसगढ़ में ही सरकार बची है। महाराष्ट्र व झारखंड में कांग्रेस पार्टी एक सहयोगी के रुप में सरकार में शामिल है।

पांच राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी कुछ विशेष नहीं कर पाई। पंजाब जहां चुनाव से पहले कांग्रेस की सरकार चल रही थी। वहां भी पार्टी चुनाव हार कर एक चौथाई सीटों पर ही सिमट गई। पंजाब में पार्टी अपने ही बड़े नेताओं की कलह की शिकार हो गई। चुनाव से ठीक पहले मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह को पद से हटाना पार्टी को भारी पड़ गया। कैप्टन के स्थान पर मुख्यमंत्री बनाए गए चरणजीत सिंह चन्नी दोनो विधानसभा सीटों से व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू अमृतसर पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव हार गए। पार्टी के अधिकांश बड़े नेता चुनाव नहीं जीत पाए थे। चुनाव के बाद पार्टी ने विधायक दल का नेता व प्रदेश अध्यक्ष पद पर नए लोगों को बैठा दिय। उसके उपरांत भी पार्टी में खींचतान वैसे ही चल रही है।

उत्तराखंड में मुख्यमंत्री के दावेदार हरीश रावत इस बार फिर चुनाव हार गए। वहां कांग्रेस मात्र 19 सीटें ही जीत सकी है। पार्टी में नए प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता के मनोनयन के बाद तो आपसी कलह खुलकर सड़कों पर आ गई है। कई विधायकों ने पार्टी छोड़ने तक की धमकी दे दी है। पंजाब में कांग्रेस की लुटिया डुबोने में सबसे बड़ा हाथ हरीश रावत का रहा था। उन्होंने ही उत्तराखंड में भी कांग्रेस का सफाया करवा दिया। उत्तराखंड में भाजपा ने लगातार दूसरी बार सरकार बनाकर एक इतिहास रचा है। जबकि कांग्रेस को सबसे अधिक आस उत्तराखंड में ही सरकार बनाने की थी। मगर पार्टी नेताओं की आपसी कलह के चलते कांग्रेस ने अवसर गवां दिया था। गोवा और मणिपुर में भी कांग्रेस कुछ खास नहीं कर पाई। गोवा में कांग्रेस को 11 सीटें मिली वही मणिपुर में तो कांग्रेस की सीटों की संख्या 28 से घटकर 5 रह गई।

उत्तर प्रदेश जैसे देश के सबसे बड़े प्रांत में कांग्रेस महज 2 सीटें ही जीत पाई। कांग्रेस पार्टी में तीसरे नंबर की बड़ी नेता व महासचिव प्रियंका गांधी राजनीति में सक्रिय होने के बाद अपना पूरा फोकस उत्तर प्रदेश पर ही लगा रखा था। पहले उनके साथ महासचिव के रूप में ज्योतिरादित्य सिंधिया आधे उत्तर प्रदेश के प्रभारी थे। मगर सिंधिया के पार्टी छोड़ने के बाद उत्तर प्रदेश का पूरा प्रभार प्रियंका गांधी के पास ही था। उनके साथ सचिवों व बड़े नेताओं की बड़ी टीम काम कर रही थी। पिछले 3 साल से प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश के गांव-गांव में जाकर लोगों से मिल रही थी। प्रियंका गांधी की सक्रियता के चलते पार्टी को उम्मीद बंधी थी कि इस बार के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बेहतर स्थिति में रहेगी। मगर चुनावी नतीजों ने पार्टी की आशाओं को धराशाई कर दिया।

2017 में जहां कांग्रेस के पास 7 विधानसभा सीटें थी। उसकी तुलना में इस बार कांग्रेस महज 2 सीटों पर ही सिमट कर रह गई। 397 सीटों पर सीटों पर चुनाव लड़ कर महज 2 सीटें जीतना पार्टी के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। इतना ही नहीं पार्टी के वोट प्रतिशत भी घटकर 2.33 प्रतिशत रह गया है। प्रियंका गांधी के नेतृत्व में ही कांग्रेस ने 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था। जिसमें कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी अपनी परंपरागत अमेठी सीट से भाजपा की नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। अब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के पास एक रायबरेली की लोकसभा सीट व दो विधानसभा सीटें रह गई है।

कांग्रेस पार्टी अगले महीने चिंतन शिविर का आयोजन कर रही है। उसमें पार्टी को धरातल के मुद्दों पर जरूर चर्चा करनी चाहिए। पांच राज्यों में चुनावी हार के बाद वहां के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक दल के नेता को तो बदल दिया गया है। मगर चुनाव के दौरान वहां प्रदेश प्रभारी रहे महासचिव, सचिव, स्क्रीनिंग कमेटी के चेयरमैन आज भी अपने पदों पर पूर्ववत बरकरार है। उनको क्यों नहीं बदला गया यह विचार करने का विषय है। पार्टी के महासचिव व प्रदेश प्रभारी पद पर ज्यादातर ऐसे नेताओं को नियुक्त किया गया है जिनका अपना कोई जनाधार नहीं रहा है। जो लगातार बड़े अंतर से कई चुनाव हार चुके हैं। जनता में उनकी नकारात्मक छवि है।

केसी वेणुगोपाल, मुकुल वासनिक, अजय माकन, अविनाश पांडे, प्रियंका गांधी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, भंवर जितेंद्र सिंह, ओम्मान चांडी, तारीक अनवर पार्टी के महासचिव है। मगर इनमें से एक भी चुनाव जीता हुआ नेता नहीं है। अविनाश पांडे व प्रियंका गांधी तो कभी प्रत्यक्ष रूप् से चुनाव मैदान में उतरे ही नहीं। बाकी सभी नेता चुनावी हार का रिकॉर्ड बना चुके हैं। ओम्मान चांडी ही एकमात्र ऐसे महासचिव है जो चुनाव जीतते रहे हैं। हालांकि उनके मुख्यमंत्री रहते ही कम्युनिस्ट पार्टी ने केरल में उन को हराकर अपनी सरकार बनाई थी। पार्टी में ऐसे ही जनाधार विहीन कई नेता प्रदेश प्रभारी, राष्ट्रीय सचिव व अन्य बड़े पदों पर काबिज हैं।

कांग्रेस को फिर से अपने साख बनानी है तो उनको जनाधार विहीन नेताओं को हटाकर जनाधार वाले नेताओं को अग्रिम मोर्चे पर तैनात करना होगा। जमीन से जुड़े छोटे कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाना होगा। राजस्थान और छत्तीसगढ़ में जहां पार्टी की सरकार है वहां सरकारी पदों पर परंपरागत नेताओं को ही राजनीतिक नियुक्तियां दे दी गयी है। जिसका संदेश नीचे तक गलत जा रहा है। दोनों प्रदेशों में राजनीतिक नियुक्तियों में धरातल से जुड़े कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण पदों पर आगे लाना होगा। तभी लोगों में कांग्रेस के प्रति विश्वास बढ़ेगा। जिसके बल पर ही आने वाले समय में कांग्रेस अपनी स्थिति में कुछ सुधार कर पाए।

क्या धनवान होने से इंसान सुखी हो जाता है

आज समाचार पत्र में पढ़ा की विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति धनवान होने के बावजूद सुखी नहीं हैं और न रहे। जबकि सामान्य तौर पर पूरी दुनिया धन को कमाने में पागल हो रही हैं और है चुकी। यहाँ यह बताना चाहूंगा की संसार में जितनी भी बाह्य सामग्रियां दुख का कारण होती हैं, हैं बाकी सब सुखाभास हैं।

आज धनवान लोगों की सूचियां प्रकाशित होती हैं पर सुखी लोगों की कोई भी सूची प्रकाशित नहीं होती ऐसा क्यों ?कारण धन में सुख होता तो क्यों मनुष्य वैरागी होता।

जैन दर्शन में बाह्य सामग्रियों के संचय को परिग्रह कहते हैं। ÷मूर्च्छाःपरिग्रह ÷(तत्वार्थ सूत्र 7/17)यानी पदार्थों के रक्षण आदि के भाव को परिग्रह कहते हैं । बाह्य और अभयंतर पदार्थों में ÷यह मेरा हैं ÷इस प्रकार के संकल्प को परिग्रह कहते हैं। और मूर्च्छा यानी बाह्य और अभ्यन्तर उपाधि के रक्षण आदि के व्यापार को मुर्च्छा कहते हैं. गाय, भैस, मणि, मुक्त, धन आदि चेतन अचेतन बाह्य परिग्रह के और राग -द्वेषादि अभ्यंतर परिग्रह के संरक्षण, अर्जन, संस्कारादि लक्षण व्यापार को मूर्छा कहते हैं। इसके अलावा

दाम बिना निर्धन दुखी, तृष्णावश धनवान, कहीं न सुख संसार में सब जग देखो छान।

आज सभी धनवान व्यक्तियों की फोटो देखेंगे बहुत सुन्दर हैं पर ÷क्ष रे ÷बहुत अच्छा नहीं कह कह सकते। विश्व के सबसे आमिर व्यक्ति की धन सम्पदा 20.56 लाख करोड़ रुपये हैं। पर उन्हें खुद के लिए, परिवार के लिए और समाज के लिए समय नहीं हैं। धन सम्पदा सबके पुण्य- पाप से आती हैं, उसके लिए पुरुषार्थ के साथ भाग्य का भी साथ होता हैं। वारेन बफेट भी सम्पन्नतम होने के बाद भी 27 वर्ष अपनी पत्नी और बच्चों से दूर रहे।

धन के प्रति राग भाव रखना दुःख का कारण हैं। धान ख़राब नहीं होता। धन के माध्यम से हम सब प्रकार की भौतिक सामग्रियां प्राप्त कर सकते हैं, करते हैं पर उससे मानसिक सुख शांति प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

जोड़ जोड़ संचय करें, परिग्रह अपरम्पार।
कितने दिन हैं जीवना,क्यों नित ढोवें भार।
कुटुंब मोह का जाल हैं, कोई न जावे साथ
भला बुरा जो कर गया, बनी रहेंगी गाथ.

कितने भी सम्पन्न होने के बावजूद भी यदि आपके पास सुख शांति नहीं, परिवार के प्रति लगाव नहीं वह मृतक समान होता हैं।

मानुष योनिअनेक विपत्तिमय,सर्वसुखी नहि कोई।

कोई इष्ट वियोगी विलखै, कोई अनिष्ट संयोगी,
कोई दीन-दरिद्री विलखै, कोई तन के रोगी

जो संसार विषै सुख होता, तीर्थंकर क्यों त्यागे।

काहे को शिव साधन करते, संजमसो अनुरागै।

कोई कितना भी कमा ले या विश्व विजेता बन जाए पर अंत समय वह अकेले ही नंगे हाथो जाएगा। इसके लिए यहाँ ध्यान देना जरुरी हैं की हमें सीमित धन संचय कर परोपकार में उपयोग करे, धार्मिक, सामाजिक, स्वास्थ्य के लिए योगदान दे। सभी लोग अपनी अपनी कंपनी लिमिटेड /सीमित /मर्यादित क्यों बनाते हैं। जब आप अपनी कम्पनी लिमिटेड बनाते हैं तब आप खाने पीने, कार चलाने में सीमा क्यों रखे हैं उन्हें भी अनलिमिटेड /.अमर्यादित /असीमित करना चाहिए। आदमी पेट भर खाना चाहता हैं पर पेटी भर धन संचय क्यों ?

धन कमाने में मनुष्य को दिन रात पाप करना पड़ता हैं, प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन, प्रतिष्ठा के प्रति व्याकुल रहता। धन कमाने के बाद मनुष्य को संचय, सुरक्षा के प्रति सतर्क रहना पड़ता हैं। धन एक दूसरे के खून का प्यासा बना देता हैं।

आज हम भौतिक चकाचौंध के पीछे भाग रहे हैं, मृगतृष्णा के समान भाग रहे हैं और अंत में खली हाथ ही जाना हैं और जाते हैं। जितनी तल्लीनता से धन कमाते हैं उससे समय निकाल परिवार, मित्र और आत्मकल्याण की ओर भी ध्यान देना चाहिए। आत्म निरिक्षण कर आत्मकल्याण करे वो ही साथ जायेगा बाकी सब सम्पत्ति, परिवार, मित्र जन श्मशान घाट तक जायेंगे। जितना अधिक संग्रह उतना अधिक दुःख का कारण, तराजू में जो पड़ला भारी होता हैं वह नीचे जाता हैं और जो हल्का होता हैं वह ऊपर जाता हैं।

पानी का धन पानी में, और नाक कटी बेईमानी में।

धन बुरा नहि होता पर उसके प्रति जो राग द्वेष मोह, लगाव वह दुःख का कारण होता हैं। धन सुख शांति बाह्य साम्रगी आपके पुण्य पाप के कारण मिलती हैं। जब तक पुण्य का ठाठ हैं तक मजा उसके बाद सजा होती हैं।

जानलेवा साबित हो रहे हाथी, आखिर क्यों?

हाथियों की तेजी से घटती संख्या के बावजूद ये कम से कम भारत में तो इन्सानों के लिए जानलेवा मुसीबत बने हुए हैं। सच्चाई यह है कि हाथियों की खुद की रिहाइश बेहद खतरे में है जो दिनों कम होती जा रही है। खाने की तलाश में जंगलों से दूर उन पुराने ठौर पर आ धमकते हैं जो अब इंसानी तरक्की की नई पहचान है। खूब उत्पात मचाते हैंए जान तक ले लेते हैं। 100 बरसों में इनकी रिकॉर्ड संख्या घटी है। अब तब के मुकाबले केवल 10.15 प्रतिशत ही हैं। दुनिया के बड़े जानवरों में शुमार हाथी की तीन प्रजातियां अफ्रीकी सवानाए अफ्रीकी वन और एशियाई हैं। संख्या घटने का कारण प्राकृतिक विचरण क्षेत्रों की बर्बादी और अवैध शिकार है। दुनिया भर में बस 50 से 60 हजार एशियाई हाथी ही बचे हैं। भारत में 2017 में हुई गणना के अनुसार संख्या 27312 है।

छत्तीसगढ़ए मध्यप्रदेशए उत्तर प्रदेशए झारखण्डए बिहारए केरलए पश्चिम बंगालए तमिलनाडुए उत्तराखण्डए असमए कर्नाटकए ओडीशाए अरुणांचल प्रदेशए नागालैण्डए मेघालयए आन्ध्र प्रदेश व अन्य राज्यों से अक्सर हाथियों के उत्पात की चौंकाने वाली हकीकत सामने आती रहती हैं। अभी कई राज्यों से हाथियों के ताण्डव की भयावह तस्वीरें सामने आ रही हैं। मप्र से तो बेहद चौंकाने वाली तस्वीरें आईं। शहडोल के जयसिंहनगरए खैरहा व करीबी गांवों में हाथियों ने 20.22 दिनों में जगह बदल.बदल खूब उत्पात मचाया। हद तब हुई जब बीते पखवाड़े 3 हाथी कोदवारए करकटीए होकर घनी आबादी वाले नगर धनपुरी पहुंच गए। हफ्ते भर में यहां 5 लोगों को कुचल मौत की नींद सुला दिया। अनेकों कच्चे मकान ढ़हा दिएए खेतए खलिहानए बाग.बगीचों को जबरदस्त नुकसान पहुंचाया। घरों में रखा अनाज तक खा गए और बचा खुचा रौंद गए। इनके मूवमेंट पर वनविभाग की निश्चिंतताए लापरवाही या नासमझी जो भी कहेंए समझ से परे है। उत्पाती 9 हाथियों के बारे में पहले कहा गया कि सभी करीबी बांधवगढ़ नेशनल पार्क की तरफ बढ़ रहे हैं लेकिन एकाएक विपरीत दिशा में दूर धनपुरी पहुंच सबको सकते में डाल दिया। शहडोल संभाग हाथियों के निशाने पर हमेशा रहा लेकिन ऐसा भयावह उत्पात पहले नहीं दिखा। कमोवेश यही हालात छत्तीसगढ़ के सरगुजाए जशपुरए बलरामपुर व कोरिया इलाके सहित कई दूसरे राज्यों में भी हैं।

छत्तीसगढ़ व मप्र के काफी बड़े क्षेत्र कभी हाथियों की रिहाइश थे जिनमें कई जगह अब कोयला खदानें संचालित हैं। हाथी अभयारण्य की बाते तो होती हैं। लेकिन रकवा तय होने बाद वहां बनना तो दूर उल्टा घटा दिया जाता है। जहां.तहां खुलती खदानों से इंसानों और हाथियों का संघर्ष भी भयंकर होता जा रहा है। हाथियों के पुराने ठिकानों पर बढ़ते इन्सानी प्रहार की आशंका से लेमरू रिजर्व;छग्द्ध को आनन.फानन में मंजूरी दी गई। पहले रकवा 3827 वर्ग किलोमीटर तय था लेकिन अक्टूबर.2021 में जारी अधिसूचना में घटाकर 1995ण्48 वर्ग किलोमीटर कर दिया गया। उसमें भी घना हसदेव अरण्य शामिल न होना हैरान करता है जो पर्यावरणीय व जैवीय विविधतताओं से भरपूर है। पास ही अचानकमार और कान्हा टाइगर रिजर्व व बोरामदेव वन्य जीव अभ्यारण्य हैं जिनका करीबी भौगोलिक जुड़ाव है। यहां संरक्षित प्रजाति के वन्य जीवों शेरए हाथीए तेंदुआए भालूए भेड़ियाए धारीदार लकड़बग्घों को विचरते देखा जाता है।

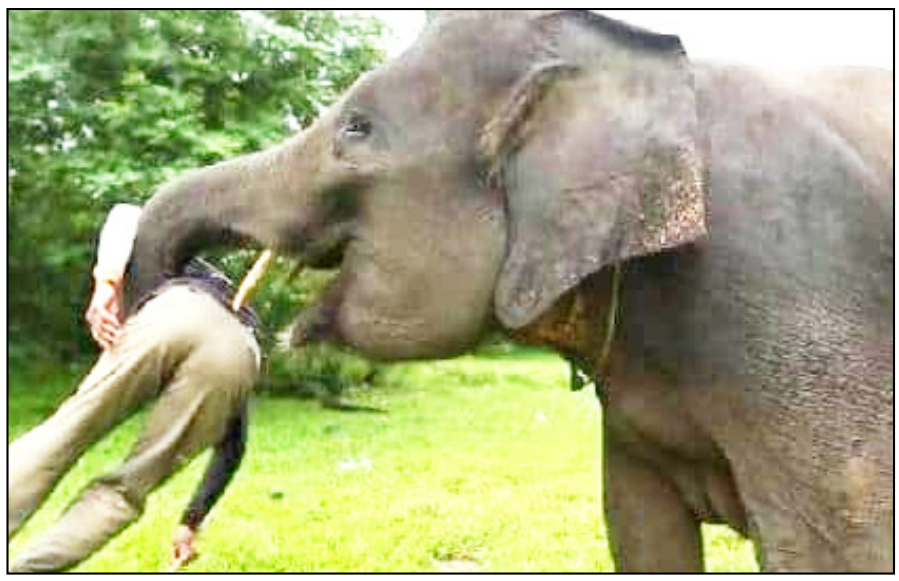

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री इसी जनवरी में लेमरू अभ्यारण्य की जद में आने वाली 39 खदानों से कोयला उत्खनन और नीलामी प्रक्रिया रुकवा दी जो अच्छा कदम है। लेकिन सवाल यह कि क्या ऐसा दूसरी जगह भी हो पाएगाघ् महत्वपूर्ण हसदेव अरण्य पर चुप्पी और मप्र के सोहागपुर एरिया के धनपुरीए अमलाईए शारदाए खैरहा की जब.तब विस्तारित होतीं ओपेनकास्ट खदानें और नई प्रस्तावित रामपुर.बदुरा सहित अन्य दूसरी खदानों तक हाथियों की धमक ने बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा दिया। कभी यहां जबरदस्त घने जंगल थे। लाखों पेड़ कट गए जिनका कोई हिसाब नहीं। लेकिन हाथियों ने अपना पुराना आशियाना नहीं भूला जो अब शहडोल प्रशासन के लिए सिरदर्द बना हुआ है। हांए खदानों की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ा। बचे खुचे जंगल अब भी धड़ाधड़ कट रहे हैं जिस पर जहां पर्यावरण की दुहाई देने वाले चुप हैं। वहीं संबंधित विभाग अनापत्ति देने से परहेज नहीं करते हैं। भटकते वन्य जीवों और मौजूदा हालात के चलते खदानों के विस्तारए नई की इजाजत पर फिर सोचना होगा। सवाल वही कि क्या हम विकास देखें या विलुप्त होते वन्य जीवों का संरक्षणघ् इस द्वन्द से हमारे नुमाइन्दों व शासन.प्रशासनए प्रकृति व वन्य जीवों के लिए चिन्तातुरों को बाहर निकलना होगा।

हाथियों के हमले से हर साल लगभग 500 भारतीय मारे जाते है। करीब 100 हाथी भी जान गंवाते हैं। ये आंकड़ा बाघ या तेंदुए जैसे जानवरों के शिकार इंसानों से 10 गुना ज्यादा है। संकटग्रस्त प्रजातियों के प्राकृतिक संरक्षण खातिर अंतर्राष्ट्रीय संघ यानी इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर;आईयूसीएनद्ध की रेड लिस्ट है। यह स्विटजरलैण्ड से अपडेट होती है। इसमें एशियन हाथी श्लुप्तप्रायश् प्राणियों में सूचीबद्ध है। यहां दुनिया के 16000 वैज्ञानिकों और 1300 भागीदार संगठनों की जानकारी रहती है।

भारत में 88 चिन्हित रास्ते हैं जिनसे सदियों से हाथी आवागमन करते रहे हैं। वहीं 2017 में जारी महत्वपूर्ण जानकारियों वाले 800 पृष्ठ के अध्ययन ग्राइट ऑफ पैसेजष् में हाथियों के 101 भारतीय गलियारों की जानकारिया है। हर तीन में दो गलियारों में खेती होना तो दो तिहाई के पास रेल लाइनें या सड़कें बन गईं। 2 प्रतिशत गलियारे खनन और उत्खनन से बाधित हैं। 11 प्रतिशत के पास से नहरें निकलने लगीं। जाहिर है गलियारों के स्वरूप बदलने या खत्म करने से हाथियों के स्वछंद विचरण में ढेरों बाधाएं हैं। इससे क्रुध्द हाथियों ने घनी आबादी में दाना.पानी की तलाश खातिर जबरदस्त उत्पात मचाना शुरू कर दिया।

अपनी आदत और जबरदस्त याददाश्त को पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानान्तरित करते हाथी बरसों पुराने इलाके में आ जाते हैं। हमें लगता है कि वो आबादीए बागए बगीचों या खेतए खदानों तक कैसे आ गएघ् जबकि सच्चाई यही है कि हमने ही उल्टा इनके ठिकानों पर कब्जा कर लिया है। शायद हाथी भी समझ गया कि कौन उसके अस्तित्व को मिटाने पर तुला हैघ

हैरानी की बात है कि हाथियों से बचाव के न कोई ठोस उपाय हैए न रणनीति। वन विभाग भी सही ढ़ंग से निदान के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कर पाता है। अत्याधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों से लैस होकर भी इनके आक्रमण पर काबू रखने का कोई कामियाब तरीका नहीं निकाल पाए! मोटी पगार और बड़े.बड़े पदों में बैठे जंगलों के अफसरों क्यों नहीं नए तरीके खोज पाते हैंघ् हाथियों का व हाथियों से बचाव की तरफ गंभीर होना होगा। लगता नहीं कि मधुमक्खियोंए मशालए ढ़ोलए नगाड़ों या पटाखों या फिर लाठीए डण्डों से इतर कोई नई तकनीक जल्द ईजाद हो जिससे हाथियों का संरक्षण हो और जन.धन हानि भी रुके। काश वन्य जीवों की रिहाइश में इन्सानी दखल रुक पाती और एक बार फिर हाथी मेरा साथी बन जाता।

गोपी बहू बन छोटे पर्दे पर वापसी करने जा रहीं अभिनेत्री जिया मानेक

लोकप्रिय धारावाहिक साथ निभाना साथिया के प्रशंसकों के लिए एक खुशखबरी है। ताजा मिल रही जानकारी के मुताबिक शो में सीधी-सादी बहू बनकर दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री जिया मानेक की इसमें वापसी हो रही है। दरअसल, इस शो का प्रीक्वल बन रहा है, जिसमें जिया एक बार फिर अपने अभिनय का जादू बिखेरेंगी। फैंस आज भी उनके किरदार और अंदाज को भूल नहीं पाए हैं। आइए जानते हैं शो से जुड़ी और क्या जानकारी मिली है। निर्माता साथ निभाना साथिया के प्रीक्वल की तैयारी में जुट गए हैं। इसके जरिए गोपी बहू के रूप में जिया एक बार फिर दर्शकों को अपनी अदाकारी से मंत्रमुग्ध करेंगी। जिया ने शो में एंट्री को लेकर साफ तौर पर कुछ नहीं कहा है। उन्होंने कहा, मेरे पास इस समय कई प्रोजेक्ट हैं। अब यह मेरी किस्मत बताएगी कि कौन सा प्रोजेक्ट मेरे हाथ लगता है। अगर सब ठीक रहा तो जल्द ही मैं आप सभी को खुशखबरी दूंगी। जिया मानेक के अलावा मोहम्मद नाजिम, वंदना विठलानी और रूपल पटेल से भी प्रीक्वल के लिए संपर्क किया गया है। मोहम्मद नाजिम प्रीक्वल में जिया के पति का किरदार निभाएंगे। सिंड्रेला की तर्ज पर दोनों के बीच फेयरी टेल रोमांस देखने को मिलेगा। शो में दिखाया जाएगा कि अपने प्रिंस चार्मिंग से मिलकर कैसे गोपी बहू का जीवन बदल जाता है। वेद राज शो को प्रोड्यूस कर रहे हैं, जो कि साथ निभाना साथिया के लेखकों में से एक थे। 2010 में शुरुआत के बाद से ही साथ निभाना साथिया एक लोकप्रिय शो रहा है। यह भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले धारावाहिकों में से एक था। इसकी यादें अब भी दर्शकों के दिल और दिमाग में ताजा हैं। शो के पहले सीजन के सुपरहिट हो जाने के बाद इसका दूसरा सीजन भी लाया गया, जिसकी शुरुआत पिछले साल अक्टूबर में हुई थी। इस शो का निर्माण रश्मि शर्मा टेलीफिल्म्स के बैनर तले किया गया था। जिया मानेक को शो साथ निभाना साथिया से गोपी बहू के रोल में पहचान मिली थी। पर्दे पर बेहद संस्कारी और सरल नजर आईं गोपी बहू के रोल में उन्होंने कई सालों तक दर्शकों का मनोरंजन किया था। जिया ने रियलिटी शो झलक दिखला जा में भी हिस्सा लिया था। वह टीवी शो जीनी और जूजू में नजर आई थीं। जिया पिछले कुछ समय से छोटे पर्दे से दूर हैं। उन्हें आखिरी बार टीवी सीरीज मनमोहिनी में देखा गया था।

फ्रिज को साफ करने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

जिस तरह से घर में मौजूद दूसरी चीजों को साफ करना जरूरी है, ठीक इसी तरह समय-समय पर फ्रिज की सफाई भी करती रहनी चाहिए। अगर ऐसा न किया जाए तो फ्रिज से अजीब बदबू आने लगती है और इसके जल्द खराब होने की संभावना भी बढ़ जाती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप अपने फ्रिज की सफाई आसानी से कर सकते हैं।

बेकिंग सोडा का करें इस्तेमाल

बेकिंग सोडा में क्लींनिंग प्रोपर्टीज मौजूद होती हैं जो फ्रिज को अच्छे से साफ करने के साथ-साथ इसमें से आने वाली बदबू को भी दूर कर सकती है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में बेकिंग सोडा और पानी का एक पतला घोल तैयार कर लें। अब इस घोल में एक साफ कपड़ा भिगोकर इसे पूरे फ्रिज पर फेरें। इसके बाद दूसरे साफ कपड़े से फ्रिज को पोछ दें। यकीनन इससे आपका फ्रिज अच्छे से साफ हो जाएगा।

नींबू का रस आएगा काम

फ्रिज की सफाई के लिए आप नींबू के रस का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले रूई को नींबू के रस में डुबोएं और फिर इससे फ्रिज के दाग-धब्बों को साफ करें। अंत में एक साफ कपड़े से पूरे फ्रिज को पोछ दें। अगर आपका फ्रिज काफी गंदा है तो एक कपड़े को नींबू के रस से भिगोएं और फिर इससे फ्रिज साफ करें। इस तरह फ्रिज साफ भी होगा और इससे आने वाली दुर्गंध भी दूर हो जाएगी।

नमक से चमकाएं

आप चाहें तो अपने गंदे फ्रिज को साफ करने के लिए नमक का भी इस्तेमाल कर सकते हैं और इसमें मौजूद क्लींनिंग एजेंट केमिकल-फ्री फ्रिज क्लीनर के रूप में काम करते हैं। सफाई के लिए सबसे पहले नमक और सोडा मिलाकर एक घोल तैयार करें और फिर इस घोल से अपने फ्रिज को साफ करें। इस सफाई के बाद आपको अपना फ्रिज नया और चमचमाता दिखेगा और इसमें से बदबू भी नहीं आएगी।

सफेद सिरका भी है मददगार

सफेद सिरके की मदद से भी फ्रिज को साफ किया जा सकता है। सफाई के लिए एक बड़ी चम्मच सफेद सिरके को एक कटोरी पानी में मिलाएं और फिर इस मिश्रण में एक साफ कपड़ा भिगोएं। इसके बाद इस कपड़े से पूरे फ्रिज को हल्के हाथ से रगड़ते हुए साफ करें। अंत में पूरे फ्रिज को एक साफ कपड़े से पोंछ दें। यकीनन इससे आपका फ्रिज एकदम चकाचक हो जाएगा।

अपने 2 में धर्मेंद्र, सनी और बॉबी के साथ दिखेंगे करण देओल, शुरू की बॉक्सिंग ट्रेनिंग

काफी समय से धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल अभिनीत फिल्म अपने 2 की चर्चा हो रही है। इस फिल्म में सनी के बेटे करण देओल भी नजर आने वाले हैं। वह फिल्म में बॉक्सर की भूमिका में दिखने वाले हैं। अब जानकारी सामने आ रही है कि करण ने अपने 2 के लिए बॉक्सिंग की ट्रेनिंग शुरू कर दी है। फिल्म में बॉक्सर की भूमिका में खुद को ढालने के लिए करण को काफी मेहनत करना पड़ेगा। करण ने बताया कि उन्होंने अपनी स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म अपने 2 के लिए बॉक्सिंग की ट्रेनिंग शुरू कर दी है। करण ने कहा, मैंने अपनी बॉक्सिंग की ट्रेनिंग शुरू कर दी है और यह काफी मजेदार है। जैसा कि मैंने कहा कि मैं बचपन में हमेशा से बॉक्सिंग पर आधारित फिल्म करना चाहता था। इस लिहाज से यह फिल्म मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि उन्हें वास्तव में ट्रेनिंग की प्रक्रिया में मजा आ रहा है। करण ने बताया कि इस भूमिका में खुद को ढालने से पहले आपको बॉक्सर की मानसिकता और शारीरिक बनावट को समझना होगा। उनका मानना है कि बॉक्सर बनने के लिए शारीरिक बनावट इसका एक हिस्सा है। साथ ही इस अभिनेता ने बॉक्सिंग की कई बारीकियों का जिक्र किया है। उन्होंने बॉक्सिंग रिंग में प्रतिपक्षी की गतिविधि, उनकी मजबूती और कमजोरियों के बारे में बताया है। धर्मेंद्र ने पिछले साल 2007 में रिलीज हुई अपने के सीक्वल बनाने की घोषणा की थी। यह पहली फिल्म थी, जिसमें धर्मेंद्र अपने दोनों बेटे सनी और बॉबी के साथ दिखे थे। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म अपने एक पूर्व मुक्केबाज बलदेव के ऊपर आधारित है, जो अपने बेटों के माध्यम से करियर में खोया हुआ अपना सम्मान वापस पाने की कोशिश करता है। इस फिल्म के सीक्वल में धर्मेंद्र के पोते करण मुख्य भूमिका में दिखेंगे।

इस फिल्म का निर्देशन गदर: एक प्रेम कथा के निर्देशक अनिल शर्मा द्वारा किया जा रहा है। करण ने 2019 में अभिनेत्री साहेर बम्बा के साथ रोमांस एक्शन फिल्म पल पल दिल के पास से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया था। यह साहेर की भी डेब्यू फिल्म थी। फिल्म का निर्देशन और निर्माण करण के पिता सनी ने किया था। फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली थी। उम्मीद है कि करण अपने 2 से प्रभावित कर पाएंगे।

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा में डांस नंबर करेंगी दिशा पटानी

दिशा पटानी पिछले काफी समय से फिल्म राधे को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म सुपर-डुपरहिट हो गई है। भले ही इसमें उनके काम की तारीफ हुई या नहीं, लेकिन दिशा के पास फिल्मों की कमी नहीं है। अब उनके खाते से एक और फिल्म जुड़ गई है। दिशा साउथ के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा में डांस का तड़का लगाती नजर आएंगी। पुष्पा अल्लू अर्जुन की बहुप्रतिक्षित फिल्मों में से एक है।

रिपोर्ट के मुताबिक दिशा पटानी की फिल्म में एंट्री हो गई है। वह इस फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ एक धमाकेदार गाने पर थिरकती दिखेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक दिशा ने फिल्म में अपनी मौजूदगी पर भी मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि वह अल्लू के साथ डांस करने के लिए बेहद उत्साहित हैं और यह उनके सिनेमाई करियर का

अब तक का सबसे यादगार पल होगा।

अल्लू के साथ डांस करने को लेकर दिशा सातवें आसमान पर हैं। दरअसल, वह उनके डांस की दीवानी हैं। उन्होंने कुछ समय पहले इंस्टा स्टोरी पर अल्लू के डांस के कुछ वीडियो भी पोस्ट किए थे। दिशा ने अपने पोस्ट में सवाल पूछा था कि अल्लू आखिर इतना बेहतरीन डांस कैसे कर लेते हैं? बता दें कि दिशा खुद एक शानदार डांसर हैं। वह अपनी एक्टिंग से कहीं ज्यादा डांस को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। बात करें फिल्म पुष्पा की तो इसमें अल्लू अर्जुन को एक भयानक दिखने वाले चंदन तस्कर पुष्पा राज के रूप में दिखाया जाने वाला है। इसमें रश्मिका मंदाना भी नजर आएंगी। इस फिल्म की कहानी आंध्र प्रदेश की पहाड़ियों में लाल चंदन की डकैती पर आधारित है। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन सुकुमार कर रहे हैं, जो इससे पहले अल्लू अर्जुन के साथ आर्य और आर्य 2 जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके हैं। दिशा आजकल फिल्म एक विलेन रिटर्न्स को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की निर्माता एकता कपूर हैं और इसका निर्देशन कर रहे हैं मोहित सूरी।

'जनहित में जारी' में कॉन्डम बेचती नजर आएंगी नुसरत

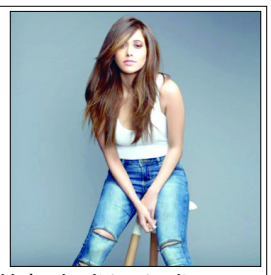

सिनेमाई पर्दे पर रोमांटिक और न्यू एज गर्ल की भूमिकाएं करने वाली नुसरत जल्द ही टैबू समझे जाने वाले सब्जेक्ट पर काम करने वाली हैं। वह अपनी अगली फिल्म जनहित में जारी की शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। इस फिल्म में नुसरत कॉन्डम बेचती नजर आएंगी। इस बारे में नुसरत कहती हैं कि यह फिल्म उनकी अब तक की सभी फिल्मों से काफी अलग है। मैंने अपनी ज्यादातर फिल्मों में ग्लैमरस किरदार निभाया है जैसे प्यार का पंचनामा, कल किसने देखा है, प्यार का पंचनामा 2, सोनू की टीटू की स्वीटी। लेकिन छलांग के बाद से मेरी इमेज थोड़ी बदली है और मैंने साबित किया है कि ग्लैमर से हटकर भी मैं कुछ कर सकती हूं। फिल्म में नुसरत के किरदार के बारे में निर्माता ने कहा कि नुसरत इस फिल्म में छोटे शहर की लड़की की भूमिका में होंगी। जो एक शिक्षित और प्रोग्रेसिव लड़की है। वह एक नौकरी की तलाश में है। फिर उसे एक कॉन्डम बनाने वाली कंपनी में सेल्स एंड प्रमोशन एग्जीक्यूटिव के रूप में नौकरी मिल जाती है। फिल्म की कहानी नुसरत की नई नौकरी के इर्द-गिर्द घूमती है। वह मेडिकल स्टोर से लेकर दूसरी जगहों पर कॉन्डम बेचने जाती हैं। ऐसे में एक लड़की होने के नाते उन्हें किन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, कहानी इसी के बारे में है। जनहित में जारी एक कॉमेडी फिल्म हैं जिसमें नुसरत एक कॉन्डम सेल्स एग्जीक्यूटिव की भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म के डॉयरेक्टर राज शांडिल्य होंगे। यह दूसरी बार होगा जब नुसरत और राज शांडिल्य साथ में काम करेंगे। इससे पहले राज की फिल्म ड्रीम गर्ल में दोनों साथ में काम कर चुके हैं। इस बारे में शांडिल्य ने कहा कि हम लोग जब मथुरा में ड्रीम गर्ल की शूटिंग कर रहें थे, तभी मेरे दिमाग में यह फिल्म बनाने का प्लान आया था। मैंने जब नुसरत को स्टोरी बताई तो वह काफी एक्साइटेड हो गईं। और उन्होंने कहा, मुझे यह किरदार करना है।

आदिपुरूष में 10 सिर वाले रावण का किरदार निभाएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान बॉलीवुड के उन कलाकारों की लिस्ट में आते हैं जो आने वाले दिनों में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। सैफ अली खान की अपकमिंग फिल्मों की लिस्ट में आदिपुरुष भी शामिल है। जो पिछले काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। फिल्म का ऐलान काफी समय पहले ही कर दिया गया था जिसमे अभिनेता सैफ अली खान रावण का किरदार निभाने वाले है। सैफ अली खान अपने इस किरदार को निभाने के लिए काफी ज्यादा उत्साहित हैं और हाल ही में उन्होंने अपने किरदार को लेकर बात भी की है। सैफ अली खान ने एक खास बातचीत में अपने किरदार से पर्दा उठाया है। सैफ अली खान ने बताया ओम राउत ने मुझे मुझसे बड़ा बनाने का फैसला किया है। इसमें कुछ चालबाजी शामिल होगी। लेकिन ज्यादातर चीजें ओरिजनल होंगी। वो चाहते हैं कि हम ट्रेनिंग लें ताकि रोल के लिए एकदम कठोर दिखाई दें। इसके अलावा सैफ अली खान ने कहा कि, रावण हमारे देश का दानव है लेकिन उसे एक बलवान राजा भी कहा जाता है। सैफ अली खान ने खुलासा किया है कि, फिल्म आदिपुरुष में वो रावण के किरदार के लिए तैयारी कर रहे हैं और साथ ही वो कयामत जिसके लिए वो प्रार्थना करता है। सैफ अली खान ने कहा कि वो फिल्म में 10 सिर वाला दानव बनेंगे। जिसके लिए वो काफी ज्यादा उत्साहित हैं।

अच्छी सेहत का खजाना है कद्दू का जूस, ये हैं इसके सेवन से मिलने वाले फायदे

पौष्टिक सब्जियों की सूची में शुमार कद्दू का लोग अलग-अलग तरह से सेवन करते हैं और इसकी सब्जी से लेकर मीठे पकवान जैसे लजीज व्यंजन बनाते है, जिन्हें लोग बड़े चाव से खाते हैं। वहीं, सेहत के प्रति सजग लोग इसके जूस का सेवन भी करते हैं, जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। आइए आज हम आपको बताते हैं कि रोजाना एक गिलास कद्दू का जूस पीने से स्वास्थ्य को क्या-क्या लाभ मिलते हैं।

किडनी स्टोन से दिलाएं राहत

अगर आपको किडनी स्टोन की समस्या है तो आपके लिए रोजाना एक गिलास कद्दू के जूस का सेवन लाभकारी सिद्ध हो सकता है। एक शोध के मुताबिक, कद्दू के जूस का सेवन कैल्शियम ऑक्सालेट के क्रिस्टल बनने की प्रक्रिया को रोक सकता है। यही क्रिस्टल किडनी स्टोन का रूप ले लेते हैं। इसके अलावा, कद्दू में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी को भी किडनी स्टोन के बड़े जोखिमों को रोकने में मददगार माना जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में सहायक है यह जूस

नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, कद्दू के अर्क में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव होता है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता की कार्यक्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। वहीं, रिसर्चगेट की वेबसाइट पर प्रकाशित एक शोध के मुताबिक, कद्दू में बीटा कैरोटीन और विटामिन- सी की अच्छी मात्रा होती है, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान कर सकती है। इसलिए रोजाना कद्दू के जूस का सेवन लाभदायक है।

वजन नियंत्रित रखने में है कारगर

अगर आप बढ़ते वजन की चपेट में आने से बचना चाहते हैं तो आपके लिए अपनी डाइट में ताजे कद्दू के एक गिलास जूस को शामिल करना एक अच्छा विचार सिद्ध हो सकता है। कद्दू के जूस में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए इससे कैलोरी नियंत्रण में रहती है और वजन नहीं बढ़ता है। वहीं, इसमें मौजूद विटामिन- सी शरीर में फैट ऑक्सीडेशन को बढ़ाता है, जिससे वजन नियंत्रित रखने में मदद मिलती है।

सूजन को कम करने में है मददगार

अगर किसी कारणवश आपके शरीर के किसी हिस्से में सूजन आ गई है तो इसे ठीक करने के लिए भी कद्दू के जूस का सेवन करना लाभदायक होगा। एक शोध के मुताबिक, कद्दू

अंगीरा धार खूबसूरती और टैलेंट में नहीं है किसी से कम

अंगीरा धार को वेब सीरिज बैंग बाजा बारात में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती है. इस सीरीज के लिए एक्ट्रेस को जमकर वाहवाही मिली थी और उनके करियर को दिशा भी मिली थी. अंगीरा धार ने अपने करियर की शुरुआत चैनल वी के जरिये टीवी प्रोडक्शन से की. इस दौरान उन्होंने प्रोडक्शन सेजुड़ी टेक्निकल स्किल्स, स्क्रिप्ट लिखना, एडिटिंग, शूटिंग को सीखा था. इतना ही नहीं टीवी प्रोडक्शन के अलावा अंगीरा कई टीवी कमर्शियल में भी नजर आ चुकी हैं एक्ट्रेस के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने आनंद तिवारी निर्देशित फिल्म लव पर स्टायर फुट से शुरुआत की थी. इस फिल्म में अंगीरा विक्की कौशल के अपोजिट नजर आयीं थी. फिल्म 'मेडे' में अजय देवगन और अमिताभ बच्चन के साथ अंगिरा धार भी नजर आने वाली हैं. ये उनके करियर की टर्निंग प्वाइंट फिल्म कही जा रही है. एक्ट्रेस को एक बुरा आदमी और कमांडो 3 में फैंस देख चुके हैं।

बेरोजगारी है तो फेंगशुई से बदलें किस्मत

अगर आप बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से अक्सर आपके घर में कलह का माहौल बना रहता है तो परेशान होने की जगह फेंगशुई के इन 3 पुराने सिक्कों से मदद लीजिए। आइए जानते हैं कैसे आप इन सिक्कों की मदद से अपने आस-पास की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करके अपनी किस्मत चमका सकते हैं।

फेंगशुई के अनुसार ये 3 पुराने सिक्के आर्थिक संपन्नता का प्रतीक माने जाते हैं। आप अपने पास इन 3 सिक्कों को रखकर अपनी सभी परेशानियों से निजात पा सकते हैं। माना जाता है कि इन सिक्कों से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने के साथ घर में पॉजिटिव वातावरण बना रहता है। चलिए आपको बताते हैं घर में ये सिक्के रखने से आप अपनी कौन-कौन सी परेशानियों से निजात पा सकते हैं।

बेरोजगारी से मुक्ति

फेंगशुई के सिक्के के जिस? हिस्से पर चार लिपि-प्रतीक बना हुआ होता है, उसे यांग यानी सकारात्मक और जिस हिस्से पर दो लिपि-प्रतीक बना होता है, उसे यिन या नकारात्मक ऊर्जा वाला हिस्सा माना जाता है। इन सिक्कों को किसी भी जगह रखते समय हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि इसका सकारात्मक हिस्सा हमेशा ऊपर की ओर बना रहे। इन सिक्कों को तिजोरी में रखने से व्यक्ति को आर्थिक समृद्धि मिलती है। कई लोग पैसों की तंगी दूर करने के लिए इन सिक्कों को अपने पर्स, दुकान के गल्ले, तिजोरी में भी रखते हैं।

कर्ज से मुक्ति

ऐसा कई लोगों के साथ होता है कि वो लाख कोशिश करने के बाद भी दूसरों से लिया उधार वापस नहीं कर पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हो रहा है तो आपने बेडरूम की खिड़की पर लाल धागे में बंधे तीन सिक्के लटका दें। ऐसा करने से आपका लिया सारा कर्ज खत्म हो जाएगा।

तनाव

तनाव खत्म या कम करने के लिए घर के मुख्य कमरे के दरवाजे पर इन 3 सिक्कों को बांधने से आपका तनाव कम होता है।

सौभाग्य

पक्षियों को दाना खिलाने से बनी रहती है देवी लक्ष्मी की कृपा

हम अपने घरों में सुख समृद्धि लाने के लिए बहुत से उपाय करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पक्षियों को दाना खिलाना शुभ होता है, लेकिन इसमें मामूली सी गलती इसके विपरीत नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार अंजाने में ही हम सही हम कुछ न कुछ गलती भी कर जाते हैं। ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र के अनुसार जो लोग पक्षियों को दाना डालते हैं उन पर हमेशा देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। अधिकतर लोग घर की छत या बालकनी में पक्षियों के लिए दाना डालते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि दाना डालने से भी नुकसान हो सकता है। पक्षियों को दाना डालना शुभ होता है, लेकिन उस समय कुछ गलतियां हो जाने से व्यक्ति को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आप जैसे ही दाना डालते हैं तो पक्षी खाने के लिए पहुंच जाते हैं। इन पक्षियों में सबसे आम होता है कबूतर। कबूतर का दाना चुगने आना बेहद शुभ माना जाता है। कबूतर को ज्योतिष में बुध ग्रह का माना जाता है। कुछ लोग पक्षियों के लिए दाना छत पर डालते हैं। छत को राहू का प्रतीक माना जाता है। जब कबूतर दाना खाने छत पर आते हैं तो इस तरह बुध और राहू का मेल हो जाता है। इसके साथ ही जिस जगह पक्षी दाना खाते हैं वहां गंदगी भी हो जाती है। यदि आप जगह को साफ रखते हैं तो तो कोई परेशानी नहीं, लेकिन यदि गंदगी रहती है तो इससे अशुभ प्रभाव मिलने शुरू हो जाते हैं। इस स्थिति में घर में रहने वाले लोगों पर राहु हावी हो जाता है जो अशुभ रहता है।

अगर आपके काम बनते-बनते रह जाते हैं और आपको लगता है कि आपको सौभाग्य की जरूरत है तो अपने पर्स में छोटे साइज वाले सिक्के रखें। ऐसा करने से आपके साथ हमेशा सौभाग्य रहेगा।

परिवार में कलह

अगर आपके घर में हर छोटी बात को लेकर तनाव या कलह का माहौल बन जाता है तो इस परेशानी को दूर करने के लिए अपने घर के मुख्य कमरे में इन सिक्को को बांध दें।

भगवान शिव के रूद्र अवतार हैं हनुमान

भगवान शिव को अनंत कहा गया है और हनुमान जी को इनका रूद्र अवतार माना गया है। शिव के हनुमान रूप में जन्म लेने की कथा इस प्रकार है। भगवान शिव भक्तों की पूजा से जल्द प्रसन्न होने वाले देव हैं और हर युग में अपने भक्तों की रक्षा के लिए अवतार लिए हैं। भगवान शिव ने 12 रूद्र अवतार लिए हैं जिनमें से हनुमान अवतार को श्रेष्ठ माना गया है।

हनुमान के जन्म पर क्या कहते हैं शास्त्र

शास्त्रों में रामभक्त हनुमान के जन्म की दो तिथि का उल्लेख मिलता है। जिसमें पहला तो उन्हें भगवान शिव का अवतार माना गया है, क्योंकि रामभक्त हनुमान की माता अंजनी ने भगवान शिव की घोर तपस्या की थी और उन्हें पुत्र के रूप में प्राप्त करने का वर मांगा था।

तब भगवान शिव ने पवन देव के रूप में अपनी रौद्र शक्ति का अंश यज्ञ कुंड में अर्पित किया था और वही शक्ति अंजनी के गर्भ में प्रविष्ट हुई थी। फिर चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को हनुमानजी का जन्म हुआ था।

पौराणिक कथा के अनुसार

पौराणि?क कथाओं के अनुसार रावण का अंत करने के लिए भगवान विष्णु ने राम का अवतार लिया था। उस समय सभी देवताओं ने अलग-अलग रूप में भगवान राम की सेवा करने के लिए अवतार लिया था।

उसी समय भगवान शंकर ने भी अपना रूद्र अवतार लिया था और इसके पीछे वजह थी कि उनको भगवान विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त हुआ था। हनुमान उनके ग्यारहवें रुद्र अवतार हैं। इस रूप में भगवान शंकर ने राम की सेवा भी की और रावण वध में उनकी मदद भी की थी।

धर्म का सही अर्थ

धर्म शब्द की उत्पत्ति 'धृ' धातु से हुई है, जिसका अर्थ धारण करना है। इस संसार में जो भी गुण मनुष्य के लिए धारण करने योग्य है, उसे धर्म कहा जा सकता है। इस परिभाषा से यह स्पष्ट हो जाता है कि हर पदार्थ का जो मौलिक गुण है वह उसमें निहित धर्म है। जैसे पानी का धर्म प्यास बुझाना है।

अगर उसे उबाल देंगे तो वह वाष्प बन जाएगा, पर ठंडा होकर फिर प्यास बुझाएगा। वही पानी जमकर बर्फ बन जाएगा और पिघलकर फिर प्यास बुझाएगा। किसी भी स्थिति में पानी अपना मौलिक गुण, अपना धर्म नहीं छोड़ता है। प्रत्येक पदार्थ में निहित वह विशेष गुण जो उसे उपयोगी बनाता है, उसका धर्म है। अर्थात धर्म और कर्म में कोई अंतर नहीं है। प्रत्येक परिस्थिति में धर्म के अनुसार आचरण करना हमारे जीवन का कर्म है और जब हम ऐसा कर्म करते हैं हम स्वयं ही सुखों को आमंत्रित कर लेते हैं।

इस सत्य को स्वीकार करते हुए चाणक्य कहते हैं कि सभी सुखों के मूल में धर्म कार्य

कर रहा है। भोजन, निद्रा, भय पशु में भी पाए जाते हैं। वहीं धर्म ही मनुष्य को पशु से अलग करता है। यहां पर विचार करने योग्य तथ्य यह है कि सिर्फ मनुष्य है जो अपने जीवन को बड़ा बनाना चाहता है। जिसके मन में कामनाएं उत्पन्न होती हैं, भविष्य को सुरक्षित करने की इच्छा होती है और जो अपने कल को बेहतर करने के लिए आज कर्मशील होने के लिए तत्पर है। पशुओं को कल की चिंता नहीं होती। यानी धर्म वह प्रयोजन है जिसके द्वारा जीवन को महानता की ओर ले जाया जा सकता है।

धर्म का आचरण करने से ही मनुष्य के जीवन में अर्थ और काम की उपलब्धि होती है। फिर धर्म को छोड़कर किसी और की शरण में आप कैसे जा सकते हैं? शास्त्र सहर्ष स्वीकार करते हैं कि जिससे जीवन में श्री, अभ्युदय अर्थात उन्नति और सिद्धि प्राप्त हो, वह धर्म है। फिर इसमें कोई दो राय किस तरह से हो सकती है कि धर्म का अर्थ ही उत्तम प्रकार के कर्म करना है, जिसके द्वारा कामनाओं को पूर्ण किया जा सके। सीधे शब्दों में कहें तो कामनाओं को पूरा करने के लिए कमाना पड़ता है और कमाई में जब कमी होती है तो जीवन दीन-हीन हो जाता है। धर्म की हानि उस समय होती है जब हम बिना कर्म किए छल से, बल से, कामनाओं को पूरा करना चाहते हैं लेकिन उससे भी अधिक धर्म की हानि तब होती है। जब हम शोषण का प्रपंच शांत भाव से देखते हैं। उस समय यह याद रखें कि आप भी भीष्म की भांति अपने कर्म से हट रहे हैं।

इस जीवन में धर्मज्ञ बनना है, धर्मभीरु नहीं। किसी भी वस्तु, व्यक्ति अथवा विषय से भय उस समय तक ही रहता है, जब तक हमें उस विषय का पूर्ण ज्ञान न हो जाए। धर्म का वास्तविक अर्थ यथोचित कर्म करना है जो जीवन को उन्नति की ओर ले जाए। इस प्रवाह में बहने का नाम ही धार्मिकता है।

मूंगे की माला से बढ़ती है सुख समृद्धि

वास्तु के अनुसार रत्नों का अपना महत्व रहता है और ये हमारे जीवन में बड़ बदलावा लाते हैं। इसी में से एक रत्न मूंगा सुख समृद्धि का प्रतीक होता है। इसी प्रकार मूंगे की माला पहनने से गणपति जी, भगवान श्री राम और हनुमान जी की कृपा मिलती है। मूंगे की माला पहनने से सुख समृद्धि बढ़ती है, धन आता है। इस से बीमारी से मुक्ति मिलती है। बिमारियों से लड़ने की क्षमता मिलती है और नकारात्मक या अशुभ शक्तियां परेशान नहीं करती हैं। मूंगे की माला से जाप भी किया जा सकता है।

कौन पहन सकता है

अगर याद्दाश्त कमज़ोर हो, पढ़ाई में बच्चे कमज़ोर हो, बच्चे कहना ना मानते हो, कुंडली में बुद्धि का ग्रह बुध कमज़ोर हो, ज्ञान का ग्रह गुरु कमज़ोर हो तो मूंगे की माला जरुर पहने। मूंगे माला पहनने से मंगल ग्रह बलवान होते हैं लेकिन माला धारण करने से पहले इस माला की हनुमान मंदिर में पूजा जरूर करा लें।

मूंगे की माला आत्मविश्वास को बढ़ाती है-

- मूंगे की माला से हनुमान जी और श्री राम के मन्त्रों का जाप कर सकते हैं।
- अगर सुहागिन स्त्री मूंगे की माला पहने तो उनके पति की सेहत ठीक रहती है।
- उनका हर संकट दूर होता है और भगवान हनुमान जी हरदम पूरे परिवार की रक्षा करते हैं।

मूंगे की माला कब पहनें

- तुलसी की माला मूंगे की लकड़ी से लाल धागे में बनाई जाती है।
- इसे मंगलवार को धारण करना चाहिए।
- धारण करने से पहले हनुमान जी, शिव जी और श्री राम जी की पूजा करनी चाहिए।
- मूंगे की माला पहनने से नजर नहीं लगती और सभी प्रकार के सुख की प्राप्ति होती है।
- इसे गंगाजल से धोकर, धूप दीप दिखाकर पहनें।
- मूंगे की माला पहनकर मास-मदिरा का सेवन नहीं कर सकते हैं और ना ही झूठ बोल सकते हैं।

रोटी भी बदल सकती है किस्मत

रोटी, कपड़ा और मकान यह इंसान की 3 सबसे पहली जरुरत है। रोटी के कुछ ऐसे उपाय हमें किताबों में मिलते हैं जो आश्चर्य में डाल देते हैं. आइए जानते हैं कुछ ऐसे टोटके रोटी के, जो हमारा नसीब भी बदल सकते हैं.

घर की रसोई में पहली रोटी सेंकने के बाद उसमें शुद्ध घी लगाकर चार टुकड़े कर लें और चारों टुकड़ों पर खीर अथवा चीनी या गुड़ रख लें। इसमें से एक को गाय को, दूसरे को कुत्ते को, तीसरे को कौवे को और चौथे को किसी भिखारी को दे दें। इस उपाय के तहत गाय को रोटी को खिलाने से पितृदोष दूर होगा, कुत्ते को रोटी खिलाने से शत्रुभय दूर होगा, कौवे को रोटी खिलाने से पितृदोष और कालसर्प दोष दूर होगा और अंतिम रोटी का टुकड़ा किसी गरीब या भूखे को भोजन के साथ खिलाने से आर्थिक कष्ट दूर होंगे और बिगड़े काम बनने लगेंगे। यदि आपके जीवन में शनि पीड़ा है या फिर राहु-केतु की अड़चनें हो तो रोटी का यह उपाय आपके लिए रामबाण साबित हो सकता है। इन सभी ग्रहों की अशुभता को दूर करने के लिए रात के समय बनाई जाने वाली अंतिम रोटी पर सरसों का तेल लगाकर काले कुत्ते को खाने के लिए दें। यदि काला कुत्ता उपलब्ध न हो तो किसी भी कुत्ते के बच्चे को खिलाकर इस उपाय को कर सकते हैं. हमारे यहां अतिथि को देवता के समान माना गया है फिर वह धनवान हो या फिर आम आदमी. यदि कोई निर्धन या भिखारी आपके घर के दरवाजे पर आए तो यथासंभव भोजन अवश्य कराएं। भोजन में भी रोटी जरूर खिलाएं या हाथ से परोसें।

यदि तमाम प्रयासों के बावजूद सफलता आपके हाथ नहीं लग रही है तो आप के लिए रोटी का यह उपाय वरदान साबित हो सकता है। रोटी और चीनी को मिलाकर छोटे-छोटे टुकड़े चीटियों के खाने के लिए उनके बिल के आस-पास डालें। इस उपाय से आपकी बाधाएं धीरे-धीरे दूर होने लगेंगी। यदि आपके घर की शांति को किसी की नजर लग गई है और आए दिन लड़ाई झगड़ा होता रहता है तो आप रोटी से जुड़े चमत्कारी उपाय को जरूर अपनाकर देखें। दोपहर के समय जब आप अपनी रसोई में पहली रोटी सेंके तो उसे गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए जरूर निकाल लें। उसे भोजन से पूर्व गाय और कुत्ते को खिलाने का प्रयास करें। यदि यह न संभव हो तो बाद में उसे खिला दें। अगर करियर में रुकावट है, नौकरी नहीं मिल रही है तो यह उपाय करें। कटोरदान की नीचे से तीसरे नंबर की रोटी लें, तेल की कटोरी में अपनी बीच वाली अंगुली और तर्जनी यानी पास वाली बड़ी अंगुली को एक साथ डुबोएं अब उस रोटी पर दोनों अंगुलियों से एक साथ लाइन खींचें। अब इस रोटी को बिना कुछ बोले दो रंग के कुत्ते को डाल दें। यह उपाय गुरुवार या रविवार को करेंगे तो करियर की हर बाधा दूर होगी।

काले रंग का न हो घर का मुख्य गेट

घर में खुशहाली के लिए वास्तु का सही होना भी जरुरी है। वास्तुशास्त्र में घर में रखी चीजों की भी अपनी एक दिशा होती है। कहा जाता है कि हम जिस जगह घर का सामान रखते हैं, इसका असर हमारे जीवन पर पड़ता है। कुछ घरों में हमेशा किसी न किसी बात पर विवाद होता रहता है या उस घर में अक्सर लोग बीमार रहते हैं। इन सभी बातों का कारण वास्तु दोष भी हो सकते हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी ही बताने जा रहे हैं जिसे ध्यान रख इन वास्तु दोषों से बचा जा सकता है। ये हैं 5 ऐसे वास्तु दोष जिनकी वजह से घर में हमेशा अशांति बनी रहती है।

- वास्तुशास्त्र में कहा जाता है कि घर का मेन गेट घर के अन्य दरवाजों से बड़ा होना चाहिए। अगर मेन गेट दूसरे दरवाजों से छोटा हो तो पैसों से जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं।
- सूर्योदय के समय घर की ख?ड़कि?यां खुली रखनी चाह?ए। इससे सकारात्मक उर्जा घर में प्रवेश करती है।
- घर का मुख्य दरवाजा काले रंग का नहीं होना चाह?ए। वास्तु के अनुसार इससे परिवार के मुख?या को धोखा, अपमान और लगातार नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।
- घर के दरवाजों के पीछे किसी भी तरह के हथियार या डंडा आदि नहीं रखना चाहिए। इससे परिवार के सदस्यों के बीच विवाद भी स्थिति बन सकती है।
- के किसी भी बेडरूम में वॉश बेसि?न नहीं होना चाह?ए। इससे वैवाहिक जीवन में परेशानियां आ सकती हैं।

देश के टॉप आईटी सेक्टर में इंदौर बनाएगा अपनी जगह

इंदौर। आईटी सेक्टर में पिछले 5 वर्षों में 250 छोटी एवं बड़ी यूनिट स्थापित हुई हैं। आईटी सेक्टर में 700 करोड़ रूपए से ज्यादा का निवेश हुआ है, जिसमें कई लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। आईटी इकोसिस्टम के निर्माण से इंदौर को देश में एक नई जगह मिली है, जिसे देखकर यह कहा जा सकता है कि आगे आने वाले समय में जिले में आईटी ग्रोथ कई गुना ज्यादा बढ़ेगी। इसी तरह पीथमपुर एसईजेड के माध्यम से वर्ष 2016 में 5 हजार करोड़ मूल्य के उत्पाद एक्सपोर्ट किए गए थे, जिसका मूल्य वर्तमान में 13 हजार करोड़ रूपये हो गया है। इससे न केवल आर्थिक विकास हो रहा है बल्कि रोजगार के भी नए अवसरों का सृजन हो रहा है। लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्योग की बात की जाए तो इंदौर में पिछले 5 वर्षों में कुल 83 हजार उद्योग का पंजीयन किया गया है। इन उद्योगों से 7 लाख से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

सेटेलाइट के माध्यम से नरवाई जलाने की निगरानी

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास के संयुक्त संचालक बीएल बिलैया किसानों से नरवाई नहीं जलाने की अपील निरन्तर कि जा रही है। इसके पश्चात भी किसानों द्वारा नरवाई जलाएं जाने की जानकारी प्राप्त हो रही है। प्रदेश में अब नरवाई जलाने की घटनाओं की निगरानी सेटेलाइट के माध्यम से सीधे की जा रही है। जिसकी जानकारी भी ई-मेल तथा व्हाटसएप के माध्यम से जिलों को प्राप्त हो रही है। कृषक नरवाई में आग लगाते हैं तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। पर्यावरण विभाग के नोटिफिकेशन तथा से पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशों के अंतर्गत फसलों की कटाई के उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। जिले में फसलों की कटाई में कम्बाईन हार्वेस्टर का चलन व्यापक रूप से होता है। कम्बाईन हार्वेस्टर से कटाई के उपरांत फसल अवशेषों में आग लगाने की घटनाओं को देखते हुए, रबी की कटाई में कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम को लगाने की अनिवार्यता सुनिश्चित की गई है। यदि कृषक स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम का उपयोग नहीं करते है, तो उन्हें स्ट्रारीपर का उपयोग कर के फसल अवशेषों से भूसा प्राप्त करना अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री की घोषणा पर मात्र 13 दिन में हुआ अमल

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गत अंबेडकर जयंती पर प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग को स्व-रोजगार के और अधिक अवसर उपलब्ध कराने तीन नवीन योजनाओं संत रविदास स्व-रोजगार योजना, डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना और मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति विशेष परियोजना वित्त पोषण योजना की घोषणा की गई थी। मात्र 13 दिन में राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री श्री चौहान की घोषणा को अमली जामा पहनाकर मंत्रि-परिषद से स्वीकृत कराया है। योजना में विनिर्माण गतिविधियों के लिये एक लाख से 50 लाख रूपये और सेवा/व्यवसाय के लिये एक लाख से 25 लाख रूपये तक की परियोजनाएँ स्वीकृत की जायेंगी। ऋण पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान दिया जायेगा। बैंक ऋण गारंटी शुल्क प्रचलित दर पर अधिकतम 7 वर्ष तक निगम वहन करेगा।

श्योपुर कूनो पालपुर- परदादा लाए थे अफ्रीकी शेर, ज्योतिरादित्य लाएंगे चीते

करीब 118 साल बाद इतिहास का दोहराव

भोपाल । मध्य प्रदेश में सिंधिया राजवंश से जुटी एक कहानी एक बार फिर इतिहास दोहराने जा रही है। यह कहानी प्रदेश के श्योपुर जिले स्थित कूनो पालपुर के घने जंगलों की है जहां ठीक 118 साल के बाद रोचक संयोग बनने जा रहा है। इस इतिहास की पहली इबारत ग्वालियर के सिंधिया राजवंश के महाराज माधौराव सिंधिया ने 1904-05 में लिखी थी। अब उस इतिहास के दोहराव में उनकी चौथी पीढ़ी के वंशज ज्योतिरादित्य सिंधिया सहभागी बन रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि उस समय माधौराव सिंधिया स्वयं सरकार थे और ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्र की मौजूदा मोदी सरकार का हिस्सा हैं। संयोगों से भरा इतिहास यह है कि माधौराव सिंधिया को जूनागढ़ के नवाब ने गिर के एशियाई शेर देने से इनकार कर दिया था। तब सिंधिया ने दक्षिण अफ्रीका से शेर लाकर उन्हें सबसे पहले कूनो घाटी के जंगलों में बसाया था। उन्हें रखने के लिए डोब कुंड के पुरातात्विक महत्व के वन

क्षेत्र में 20-20 फीट ऊंचे कई पिंजरे बनवाए थे।

अब स्व. माधौराव की चौथी पीढ़ी के वशंज ज्योतिरादित्य सिंधिया केंद्रीय उड्डयन मंत्री के रूप में अफ्रीफन चीते लाकर कूनो के जंगलों में बसाने के लिए चल रही कवायद का हिस्सा हैं। उन्होंने बीते दिनों अफ्रीकी चीतों को भारत लाने की तैयारी को लेकर केंद्रीय श्रम एवं पर्यावरण मंत्री से चर्चा भी की थी। बता दें कि कूनो नेशनल पार्क की स्थापना गिर गुजरात के एशियाई शेरों को लाकर बसाने के लिए की गई थी। इसका प्रोजेक्ट 26 साल पहले यानी 1996 में शुरू हुआ था, तब जंगल में रहने वाले दो दर्जन से ज्यादा गांवों के डेढ़ हजार से ज्यादा परिवारों को विस्थापित किया गया था। इन परिवारों के 5 हजार से अधिक लोगों को अपना जल-जंगल और जमीन छोड़ना पड़ा था। विस्थापित होने वालों की 90 फीसदी आबादी सहरिया आदिवासियों की थी, उनसे जंगल छिने तो आजीविका अपने आप ही छिन गई। नेशनल पार्क में शेर तो अब तक नहीं आ पाए, अलबत्ता सहरिया आदिवासियों की जिंदगी बदहाल होती गई, और वह और गरीब, मजलूम व बेसहारा होते गए। खैर शेर न सही, दक्षिण अफ्रीका से आ रहे चीतों से अब कूनो के जंगल को आबाद करने की कवायद चल रही है।

गुजरात और मप्र के बीच गिर के एशियाई शेरों को बसाने के लिए बरसों-बरस बात-विवाद-कवायद चलती रही है। मामला अदालत की चौखट तक जा पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने भी गुजरात सरकार को शेर मप्र को देने के लिए कहा, फटकार भी लगाई, गुजरात सरकार ने मप्र को शेर देने से इनकार तो कभी नहीं किया, लेकिन शेर दिए नहीं, तरह-तरह के बहाने बनाकर मामले को उलझाए रखा गया। इसके पीछे संभवतः मंशा यह है कि गुजरात एशियाई गिर के शेर की वजह से मिली राज्य की पहचान को बांटना नहीं चाहता। बता दें कि एशियाई शेर केवल गुजरात के गिर वन क्षेत्र में ही पाए जाते हैं। यह भी एक संयोग है कि गुजरात का मध्य प्रदेश को शेर देने से कोई पहली बार इनकार नहीं किया है। ऐसा वो तब कर चुका है, जब देश आजाद नहीं था। गिर क्षेत्र जूनागढ़ की रियासत का हिस्सा था। तब भी जूनागढ़ के नवाब ने ग्वालियर राजघराने के महाराज माधौराव सिंधिया के आग्रह के बावजूद शेर देने पर टाल-मटोल करते हुए दक्षिण अफ्रीका से शेर मंगवाने का सुझाव दिया था, गिर के शेर न मिलने पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मंजूरी के बाद अफ्रीका से चीते मध्य प्रदेश में लाने के लिए पिछले 3 साल से प्रोजेक्ट चल रहा है। 5 साल के वक्त और 75 करोड़ की लागत वाला यह प्रोजेक्ट कोरोना की वजह से 2 साल अटका रहा।

दुग्ध संघ के सीईओ तिवारी का निलंबन हुआ निरस्त

प्रबंधन ने कार्रवाई के आठ दिन बाद ही दिखाई मेहरबानी

भोपाल । भोपाल सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरपीएस तिवारी का निलंबन निरस्त कर दिया गया। प्रबंधन ने उनके निलंबन के आठ दिन में यह मेहरबानी दिखाई है। पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) जेएन कंसोटिया ने मंगलवार देर शाम उनका निलंबन वापस लिया था। एमपी स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन (एमपीसीडीएफ) के प्रबंध संचालक व सहकारिता आयुक्त संजय गुप्ता ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवि मलीमठ व न्यायाधीश पुरुषेंद्र कुमार कौरव की बेंच के आदेश के बाद 19 अप्रैल को उन्हें निलंबित किया था। तभी विपणन प्रबंधक पंकज पांडे को भी बर्खास्त किया था। तिवारी पर आरोप है कि उन्होंने व्यवसायिक परीक्षा मंडल (पीईबी) की चयन सूची की वैधता खत्म होने पर भी पंकज को भर्ती कराने के लिए नस्ती तत्कालीन प्रबंध संचालक अरुणा गुप्ता को प्रस्तुत की थी। चार माह पूर्व भी एसीएस कंसोटिया ने तिवारी का तबादला आदेश निरस्त किया था। तब तिवारी का तबादला पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के आधार पर एमपीसीडीएफ के तत्कालीन प्रबंध संचालक ने किया था। दोनों बार कंसोटिया ने एमपीसीडीएफ के प्राधिकृत अधिकारी की हैसियत से हस्तक्षेप किया है।ज्ञात हो कि वर्ष 2020 में पशुपालन विभाग के अपर मुख्य सचिव रहते हुए मनोज श्रीवास्तव ने जबलपुर सहकारी दुग्ध संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक शर्मा को निलंबित कर दिया था। तब वह भी एमपीसीडीएफ के प्राधिकृत अधिकारी थे और उसी की हैसियत से कार्रवाई की थी। तब दीपक शर्मा की ओर से हाईकोर्ट में उक्त निलंबन को चुनौती दी थी। जिस पर हाईकोर्ट ने यह कहते हुए निलंबन पर रोक लगा दी थी कि प्राधिकृत अधिकारी को अधिकार नहीं है। मालूम हो कि एमपीसीडीएफ में 48 पदों पर भर्ती के लिए फरवरी 2016 में पीईबी ने चयन परीक्षा ली थी। इसमें चार पद विपणन प्रबंधक के थे। पीईबी ने 13 जुलाई 2016 में चयन सूची एमपीसीडीएफ को उपलब्ध करा दी थी, जो 18 माह तक प्रभावी थी और 13 जनवरी 2018 को इसकी वैधता खत्म हो गई थी। इसके बावजूद 22 सितंबर 2018 को पंकज पांडे को नियुक्ति दे दी गई थी। हाईकोर्ट में इस मामले की 13 अप्रैल को सुनवाई थी। एमपीसीडीएफ की ओर से जवाब पेश किया था। इस पर कोर्ट ने आपत्ति दर्ज कराई कि नियमों के विपरीत नौकरी करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। हाईकोर्ट ने 18 अप्रैल को एमपीसीडीएफ के प्रबंध संचालक संजय गुप्ता व अन्य को तलब किया था। तब फटकार लगाते हुए एक दिन में कार्रवाई कर दूसरे दिन कोर्ट को अवगत कराने के आदेश दिए थे। जिसके बाद प्रबंध संचालक ने 19 अप्रैल को कार्रवाई की थी और 20 अप्रैल को कोर्ट को अवगत कराया था। इस मामले को पूर्व में पंकज पांडे हाईकोर्ट में चुनौती देने गए थे। मालूम हो कि पशुपालन मंत्री प्रेम सिंह पटेल ने एक नंवबर 2021 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आरपीएस तिवारी को हटाने की मांग की थी।30 नवंबर 2021 को एमपीसीडीएफ के तत्कालीन महाप्रबंधक शमीम उददीन ने तिवारी का तबादला ग्वालियर किया था।

30 साल छोटे लड़के के साथ भागी 50 साल की महिला, 7 बच्चों की है मां

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर से ऐसी अजीबोगरीब प्रेमी कहानी सामने आई है जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे. दरअसल, 50 साल की महिला को खुद से 30 साल छोटे लड़के से प्यार हो गया. इश्क में महिला अपना घर छोड़कर 20 साल के लड़के के साथ फरार हो गई. हैरान करने वाली बात यह है कि महिला 7 बच्चों की मां है जिनकी उम्र 38 साल से लेकर 12 साल के बीच की बताई जा रही है। ससुराल वालों का कहना है कि उनकी बहू करीब एक हफ्ते से गायब है. अब परिजनों ने उसे खोजने एसपी से मदद की गुहार लगाई है. महिला के पति का कहना है कि उनकी 5 बेटी और दो बेटे हैं. तीन बेटियों की शादी हो चुकी है, दो घर पर ही हैं. 18 और 16 साल के दो बेटे भी हैं। एसपी ऑफिस पहुंचे महिला के पति का कहना है कि मेरी उम्र 55 साल है. 35 साल पहले हम दोनों की शादी हुई थी. हमारे 7 बच्चे हैं। कुछ दिन पहले हम चढेरनपुरवा गांव में फसल कटाई का काम करने गए थे. वहां 20 साल का युवक भी फसल कटाई का काम करने आया था. इसी दौरान मेरी पत्नी और युवक में दोस्ती हो गई. धीरे-धीरे दोनों में नजदीकियां बढ़ने लगी. दोनों में काफी बातचीत भी थी. करीब एक में कटाई का काम खत्म हो गया. उसने बाद दोनों एक साथ गायब हो गए. जब पत्नी को खोजने युवक के घर पहुंचे तो उसने परिजनों ने धमकी दी और वहां से भगा दिया।

पति का आरोप- गेहूं तिल बेच पैसे लेकर भागी पत्नी

पति का कहना है कि कटाई के काम के बाद उन्हें गेहूं और तिल मिला था. इसके साथ ही कुछ नगद भी मिली थी. पत्नी ने यह सब बेच दिया और पैसे लेकर फरार हो गई. अब परिवार के सामने काफी समस्या आ रही है. पति का आरोप है कि 20 अप्रैल को पत्नी के भागने की शिकायत थाने में की थी लेकिन तब कोई रीसिविंग नहीं दी गई।

भाजपा सरकार में बने BRTS कॉरिडोर पर शिवराज के मंत्री ने ही उठाए सवाल, बोले- कॉन्सेप्ट ही गलत

भोपाल। भोपाल के BRTS कॉरिडोर पर अब इतने साल बाद विवाद उठ खड़ा हुआ है। जिस बीजेपी सरकार में ये कॉरिडोर बनाए गए थे अब उसी सरकार में इसे हटाने की मांग उठने लगी है. भोपाल के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह ने तो BRTS के कॉन्सेप्ट को ही गलत करार दिया है। भोपाल में हबीबगंज रेलवे अंडर ब्रिज का नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह ने लोकार्पण किया. ये अंडर ब्रिज बनने से अब यहां पानी भरने की समस्या नहीं होगी. लाखों लोगों को इससे फायदा होगा.कार्यक्रम के दौरान ही भोपाल में बने BRTS कॉरिडोर को हटाने की फिर मांग उठी. मंच से कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने कहा भोपाल से BRTS कॉरिडोर को उखाड़ फेंक देना चाहिए. किसी भी शहर की पॉलिसी को ऐसे लागू नहीं किया जाता. उन्होंने नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्र सिंह से कहा जल्द इस मामले का समाधान कीजिए।

दिन में 5 घंटे खुलेगा कॉरिडोर

इस पर भोपाल के प्रभारी मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि बीआरटीएस का कॉन्सेप्ट ही गलत है. इंदौर में भी शिकायत आई है. बीजेपी विधायक कृष्णा गौर की मांग पर ट्रैफिक जाम से निजात के लिए BRTS एक दिन में 5 घंटे खोला जाएगा. जल्द ही इसे हटाने पर सरकार फैसला लेगी।

अंडर ब्रिज का नाम भी बदला जाएगा

विधायक कृष्णा गौर ने अंडर ब्रिज का नाम नर्मदापुरम या रानी कमलापति के नाम पर करने की मांग की. होशंगाबाद रोड के नाम पर BJP विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी आपत्ति जताई. उन्होंने कहा रेलवे अंडरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य बैनर में नाम लिखा है. उन्होंने मंच से अधिकारियों से कहा कि होशंगाबाद नहीं नर्मदापुरम रोड नाम लिखें. मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा हबीबगंज अंडर ब्रिज का नाम भी जल्द बदला जाएगा।

एमपी में 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर सस्पेंस बरकरार

अब 22 जून को होगी सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश में ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण मामले पर आज जबलपुर हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई. उम्मीद थी कि सरकार ओबीसी से संबंधित डाटा हाईकोर्ट में पेश करेगी लेकिन इस बार भी सरकार ने किसी भी तरह का डाटा पेश नहीं किया. अगली सुनवाई अब 22 जून को होगी। जबलपुर हाईकोर्ट में आज फिर 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण पर सुनवाई की गयी. सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया कि उसे बहस के लिए अभी और वक्त चाहिए और अगली बहस सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की ओर से की जाएगी. इसके लिए अगली तारीख दी जाए. आगामी दिनों में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में समर वेकेशन शुरू होने वाले हैं लिहाजा सभी याचिकाओं पर सुनवाई जून माह के लिए टल गई है मामले पर अगली सुनवाई अब 22 जून को होगी।

सरकार पेश नहीं कर पायी डाटा

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि सरकार ओबीसी मामले पर आखिरकार डाटाबेस क्यों नहीं पेश कर रही है. इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार स्वेच्छा से ओबीसी संबंधित डाटा पेश कर सकती है. यानी अब उम्मीद की जा रही है कि अगली सुनवाई पर सरकार की ओर से ओबीसी संबंधित डाटा पेश किया जाएगा।

ओबीसी आरक्षण पर 61 याचिकाएं

मध्यप्रदेश में कमलनाथ सरकार के दौरान ओबीसी वर्ग को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत आरक्षण का फैसला किया गया था. इसके खिलाफ हाईकोर्ट में 61 याचिकाएं दायर की गई हैं. कुछ याचिकाओं में बढ़े हुए आरक्षण का विरोध किया गया है तो वहीं कुछ याचिकाओं के जरिए इस आरक्षण को सही ठहराया गया है. बहरहाल अब देखना होगा कि 22 जून को जब सरकार हाईकोर्ट में अपनी बहस शुरू करती है तो क्या मध्य प्रदेश में ओबीसी संबंधित डाटा भी पेश कर पाएगी।

खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड निःशुल्क प्रशिक्षण देगा

भोपाल। मध्यप्रदेश खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा युवाओं को स्व-रोजगार के लिए तैयार करने और प्रशिक्षण के लिए 20 अधिक कार्यक्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा, जिससे युवाओं को स्वरोजगार के लिए दक्षता मिल सकेगी और रोजगार को बेहतर तरीके से कर सके। बोर्ड रोजगारन्मुखी व्यवसायों फैशन डिज़ाईनिंग, रेडीमेड गारमेंट, लेदर गुड्स, बेकरी, फूड प्रोसेसिंग, कम्प्यूटर हार्डवेयर, कम्प्यूटर एकाउंट विथ टेली, घरेलू, उपकरण मरम्मत, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, दोना पत्तल निर्माण, टू व्हीलर मरम्मत, आदि का विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

जबलपुर में लग रहा है आईपीएल पर इंटरनेशनल सट्टा

गोवा और दुबई तक मिला कनेक्शन, 2 सटोरियों की तलाश

जबलपुर। आईपीएल के बढ़ते फीवर के बीच सट्टा कारोबार जमकर फल फूल रहा है. बात जबलपुर जिले की करें तो यहां पिछले 10 दिन में आधा दर्जन कार्रवाई की गई है. सटोरियों से लाखों रुपए की सट्टा पट्टी, मोबाइल फ़ोन जब्त किए जा चुके हैं. सट्टे की ये चेन जबलपुर टू गोवा और फिर दुबई तक फैली हुई है। जबलपुर के मदन महल थाना इलाके में पुलिस ने सट्टा कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की. इसमें पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगी है जो यह बताती है कि जबलपुर में हाईटेक सट्टा खेला जा रहा था इसका दुबई से कनेक्शन है. इंटरनेशनल हाईटेक सट्टे के गोरखधंधे में फिलहाल पुलिस ने इस रैकेट को चला रहे दो आरोपियों पर FIR दर्ज कर ली है. इनमें आजम खान और निक्की जैन नाम के शख्स की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। सूत्रों के मुताबिक इस हाईटेक सट्टे का कनेक्शन जबलपुर से गोवा और गोवा से दुबई तक मिला है. पुलिस जांच में अब तक आज़म खान और निक्की जैन के नाम सामने आए हैं जो मध्यप्रदेश में ये अवैध कारोबार ऑपरेट कर रहे थे. फिलहाल इनकी लोकेशन भी दुबई या देश के बाहर की मिल रही है।

पुलिस के जवानों ने भत्ते को बढ़ाने की मांग की

ट्रैफिक पुलिस में नहीं बदले अंग्रेजों के नियम, पेट्रोल के जमाने में भी मिल रहा साइकिल भत्ता

इंदौर। मध्यप्रदेश की पुलिस अब हाईटेक हो गई है. आधुनिक सुविधाओं से लैस प्रदेश की ट्रैफिक पुलिस के कांस्टेबल की हालत आज भी खस्ता है. प्रदेश में पुलिस स्थापना के 66 साल बाद भी वहीं नियम लागू हैं. आज भी ट्रैफिक कांस्टेबल को महीने भर का मात्र 200 रुपए साइकिल भत्ता दिया जाता है. अब ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने एक स्वर में इस भत्ते को बढ़ाने की मांग की है। बीते दिनों एडीशनल कमिश्नर राजेश हिंगणकर ने यातायात थाने का निरीक्षण किया था. इसके साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों का दरबार भी लगाया था. इस दौरान कर्मचारियों ने एक सुर में उनसे अपनी गाड़ियों के लिए पेट्रोल दिए जाने की मांग की थी. इस पर उन्होंने अधिकारियों से बात कर हल निकालने की बात कही।

प्रतिमाह मिलता है 200 रुपए का साइकिल भत्ता

ट्रैफिक पुलिस को आज भी साइकिल चलाने का भत्ता मिलता है. वह भी इतना कि अगर साइकिल की ढंग से सर्विस भी करवानी पढ़ जाये तो जेब से ही पैसे लगाने पड़ जाएं. आरक्षक से लेकर सहायक उपनिरीक्षक तक को प्रतिमाह माह साइकिल भत्ता मिलता है. यह राशि 200 रुपए प्रतिमाह से कुछ कम ज्यादा हो सकती है. यह सीनियर व जूनियर केटेगरी पर निर्भर करता है. बता दें कि मध्यप्रदेश पुलिस की स्थापना करीब 66 साल पहले साल 1956 में हुई थी।

इसके बाद कई दशक बदले. पुलिस का रूप और स्वरूप बदला. बदलते वक्त के साथ नई टेक्नोलॉजी ने पुलिस महकमें में प्रवेश किया. लेकिन ट्रैफिक पुलिस के जवानों का साइकिल भत्ता आज भी वैसा का वैसा ही है. यातायात विभाग में अब इक्का दुक्का कर्मचारी ही साइकिल पर सवार होकर ड्यूटी पर जाते नजर आते हैं। अधिकतम कर्मचारी अब अपनी तेज फर्राटे भरने वाली दो पहिया वाहन का ही इस्तेमाल करते हैं। नियम तोड़ने वाली लग्जरी गाड़ियों को रोकने का जिन कंधो पर दारोमदार होता है, जिन्हें सड़कों पर यातायात संभालने और पाठ सिखाने का जिम्मा होता है, उन्हें विभाग खुद साइकिल के लायक ही समझता है।

इंदौर में तीन दिवसीय एमपी ऑटो- शो आज से

भोपाल। मध्यप्रदेश को ऑटोमोबाइल हब बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश इण्डस्ट्रियल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन के माध्यम से इन्दौर में तीन दिवसीय मध्यप्रदेश ऑटो-शो का आयोजन किया जा रहा है। ऑटो-शो 28 से 30 अप्रैल तक सुपर कॉरिडोर एवं नैट्रेक्स ऑटो टेस्टिंग ट्रेक, पीथमपुर में होगा। शो का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में ऑटो सेक्टर को बढ़ावा देना है, जिससे प्रदेश में निवेश एवं रोजगार के अवसर बढ़ सकें।

आटो-शो में देश एवं विदेश की लगभग 100 बहुप्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरिंग एवं ऑटोमोबाइल कम्पोनेन्ट मैन्युफैक्चरिंग कम्पनियाँ शामिल होंगी। इन सभी कंपनियों द्वारा अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगा। इसमें समस्त प्रकार के वाहन जैसे ई-व्हीकल, ईंधन चलित पैसेंजर कार, कमर्शियल व्हीकल, एग्रीकल्चरल व्हीकल एवं अर्थमूविंग और कंस्ट्रक्शन व्हीकल प्रदर्शित किये जायेंगे। इंदौर को स्वच्छता में नंबर वन बनाने वाले विशेष उपकरण जिनका उपयोग नगर निगम इंदौर द्वारा किया जाता है, उनका प्रदर्शन भी ऑटो शो में किया जाएगा। लगभग 10 ऑटो कंपनियों द्वारा ऑटो एक्सपो में अपने उत्पादों को लांच किया जाएगा।

स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए आटो-शो में पृथक से स्टार्टअप जोन बनाया गया है।

जिसमें ऑटो सेक्टर से संबंधित विभिन्न स्टार्टअप्स को बिना किसी शुल्क के स्थान उपलब्ध कराया गया है। ऑटो-शो में विभिन्न बैठकें जैसे बायर्स सेलर मीट, बिजनेस टू गवर्नमेंट मीट, बिजनेस टू बिजनेस मीट सहित विभिन्न सेक्टर पर सेशन्स होंगे। साथ ही प्रदेश की नीतियों से अतिथियों को अवगत कराया जायेगा। ऑटो शो 2022 के माध्यम से पीथमपुर में विकसित एशिया के सबसे बड़े ऑटो टेस्टिंग ट्रेक नैट्रेक्स के बारे में विभिन्न ऑटो कम्पनियों को जानकारी दी जायेगी। साथ ही नैट्रेक्स में उपलब्ध सुविधाओं से किस प्रकार उनके व्यवसाय में टेस्टिंग सुविधाओं का लाभ लिया जा सकता है, के बारे में अवगत कराया जायेगा। नैट्रेक्स ऑटो टेस्टिंग ट्रेक पीथमपुर पर सुपर कार एवं सुपर बाईक रैली, ड्रैग रेस, विभिन्न टेस्टिंग ट्रेक का डेमो एवं गो-कार्ट जैसे मनोरंजक आयोजन भी किये जायेंगे। आम जनता के लिए ऑटो-शो को आकर्षक एवं रूचिवर्द्धक बनाने आयोजन स्थल सुपर कॉरिडोर पर संगीत संध्या भी होगी। इसमें 28 अप्रैल को शाम 6 बजे से प्रतिष्ठित म्यूजिक बैण्ड रंगी सारी (कनिष्क सेठ) और बल्लीमारन (पीयूष मिश्रा प्रोजेक्ट) तथा 30 अप्रैल शाम 6 बजे से कबीर कैफे (नीरज आर्या) की प्रस्तुति होगी।

संक्षिप्त समाचार

शा कन्या महाविद्यालय मुरार की एनएसएस इकाई ने चलाया लालटिपारा गौशाला में स्वच्छता अभियान

ग्वालियर। विजयाराजे शा कन्या महाविद्यालय मुरार की एनएसएस इकाई द्वारा लाल टिपारा बडी गौ शाला में जाकर साफ सफाई का कार्य किया गया। एनएसएस अधिकारी डॉ मंजू सिंह वीर के नेतृत्व में डॉ मौसमी सिंह, डॉ कपिल बाला एवं नितिन अग्रवाल के सहयोग से एनएसएस के सात दिवसीय कैम्प के तहत स्वच्छता अभियान चला कर गौशाला में छात्राओं द्वारा श्रमदान किया गया। गौशाला की प्रबंधन समिति एवं गुरुजी द्वारा छात्राओं को भारतीय संस्कृति से अवगत कराया गया। स्वच्छता के अभियान के दौरान एनएसएस की छात्राओं को श्री गुरुजी द्वारा बताया गया कि गौ सेवा सबसे बड़ी सेवा है और सभी को इस हेतु अपना योगदान देना चाहिए। साथ ही संत श्री प्रेमानंद जी महाराज जी के द्वारा छात्राओं को विद्यार्थी जीवन के महत्व एवं गौ सेवा के महत्व को लेकर विभिन्न जानकारियां दी गई। इस अवसर पर आजन्म आनंद मनु महाराज आदि संत उपस्थित थे।

सभी राजस्व अनुविभागों में लगेंगे जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर

ग्वालियर ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम सिरसौद में शिविर आज

ग्वालियर। आम जन की विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का मौके पर ही समाधान करने के उद्देश्य से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण सह सुशासन शिविर लगाए जा रहे हैं। इस कड़ी में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने आगामी दिनों में आयोजित होने वाले शिविरों की तिथियाँ निर्धारित कर दी हैं। उन्होंने शिविर की तिथियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं, जिससे अधिकाधिक लोग शिविरों का लाभ उठा सकें। ग्वालियर ग्रामीण अनुविभाग की तानसेन तहसील के अंतर्गत ग्राम सिरसौद में 29 अप्रैल को जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर लगाया जायेगा। इसी कड़ी में भितरवार अनुविभाग के ग्राम करहिया में 6 मई, ग्वालियर सिटी अनुविभाग के अंतर्गत ग्राम सुजवाया में 13 मई, घाटीगाँव अनुविभाग के ग्राम करही में 20 मई व मुरार अनुविभाग के ग्राम बिजौली में 27 मई को जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर लगेंगे।

बेरोजगार युवाओं को मिलेगा रोजगारोन्मुखी व्यवसायों का प्रशिक्षण

20 मई तक ऑनलाइन आवेदन माँगे

ग्वालियर। जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा निःशुल्क कौशल उन्नयन प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण के लिये विभाग के पोर्टल http:// crisponlineservice.com/khadi/user_Registration_Khadi.asp& पर 20 मई तक ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत किए जा सकते हैं। विस्तृत जानकारी के लिये जिला पंचायत कार्यालय की खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड शाखा में संपर्क किया जा सकता है। जिन रोजगारोन्मुखी व्यवसायों के लिये कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाना है उनमें कम्प्यूटर हार्डवेयर रिपेयरिंग, कम्प्यूटर अकाउण्ट विथ टैली, ब्यूटी पार्लर, रेफ्रिजरेटर व एयर कंडीशनर रिपेयरिंग, टू व्हीलर, श्रीव्हीलर व फोर व्हीलर रिपेयरिंग, लैदर फुटवियर व गुड्स, दोना-पत्तल, इलेक्ट्रीशियन, घरेलू उपकरण मरम्मत, मोटर बाइन्डिंग, सोलर पैनल इंस्टॉलेशन व रिपेयरिंग, अगरबत्ती निर्माण, बेसिक सिलाई, गारमेन्ट्स, फैशन डिजायनिंग, वीडियोग्राफी व फोटोग्राफी, मोबाइल फोन रिपेयरिंग, कृत्रिम आभूषण निर्माण एवं कत्तिन व बुनकर इत्यादि शामिल हैं।

खुशखबरी : बेहट उप मंडी को क्रियाशील करने के लिये लगभग 1.58 करोड़ मंजूर

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह के विशेष प्रयासों से मिली मंजूरी

ग्वालियर। बेहट एवं इस क्षेत्र के अन्य गाँवों के किसानों के लिये बड़ी खुशखबरी है। संगीत सम्राट तानसेन की जन्मस्थली बेहट में जल्द ही उप मंडी शुरू होगी। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह के विशेष प्रयासों से बेहट मंडी को क्रियाशील करने के लिये राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा एक करोड़ 57 लाख 37 हजार रूपए की धनराशि मंजूर कर दी है। ज्ञात हो कृषि उपज मंडी लश्कर से बेहट की उप मंडी संबद्ध है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने बताया कि राज्य कृषि विपणन बोर्ड द्वारा मंजूर की गई इस धनराशि से उप मंडी बेहट में जल्द ही जरूरी मूलभूत सुविधायें विकसित कर मंडी को शुरू कराया जायेगा। जो काम उप मंडी को क्रियाशील करने के लिये कराए जायेंगे, उनमें चैक पोस्ट, कबर्ड शेड, ट्रॉली शेड, आंतरिक बीटी रोड़, ट्यूबवेल, टंकी सहित पम्प हाउस, वाटर पोस्ट, ट्रांसफार्मर, विद्युत पोल तथा द्वार सहित कम्पाउण्ड वॉल का निर्माण शामिल है। कृषि उपज उप मंडी बेहट में किए जाने वाले कार्यों के एस्टीमेट जल्द से जल्द स्वीकृत कराने की कार्यवाही पूर्ण कराने के निर्देश राज्य कृषि विपणन बोर्ड भोपाल के अधीक्षण यंत्री द्वारा ग्वालियर के कार्यपालन यंत्री को जारी कर दिए गए हैं।

प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मियाँ करेंगी वाघा बार्डर का भ्रमण

2 मई को पहली यात्रा होगी प्रारंभ, माँ तुझे प्रणाम योजना पुनः हुई शुरू

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पहल पर प्रदेश में 'माँ तुझे प्रणाम' योजना को पुनः शुरू किया गया है। आगामी 2 मई को योजना में 196 लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं को अंतर्राष्ट्रीय सीमा वाघा-हुसैनीवाला (पंजाब) का भ्रमण कराया जाएगा। वर्ष 2013 से प्रदेश में शुरू हुई इस योजना में पहली बार प्रदेश की लाड़ली लक्ष्मी बालिकाएँ वाघा बार्डर जा रही हैं, जो 2 मई को अपरान्ह 3ः30 बजे अमृतसर दादर एक्सप्रेस से रवाना होंगी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की 'माँ तुझे प्रणाम' योजना में भोपाल संभाग से 20 लाड़ली लक्ष्मियाँ, इंदौर संभाग से 31, ग्वालियर संभाग से 15, उज्जैन संभाग से 26, नर्मदापुरम संभाग से 11, शहडोल संभाग से 15, रीवा संभाग से 12, चम्बल संभाग से 9, सागर संभाग से 26, जबलपुर संभाग से 31 बालिकाओं को वाघा-हुसैनीवाला (पंजाब) के भ्रमण पर जायेगी। योजना में अब तक लगभग 12 हजार 672 युवाओं को लेह-लद्दाख, कारगिल-द्रास, आर.एस.पुरा, वाघा-हुसैनीवाला, तानोत माता का मंदिर, लोगेंवाल, कोच्चि, बीकानेर, बाड़मेर, नाथूराम-दर्रा, पेट्रापोल, तुरा, जयगाँव, अडंमान निकोबार एवं कन्या कुमारी की अनुभव यात्रा कराई गई है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की इस योजना की चयनित बालिकाओं को गृह निवास यात्रा का किराया, दैनिक भत्ता, आवास, भोजन, स्थानीय यातायात व्यवस्था, रेल आरक्षण व्यवस्था, ट्रेक सूट, टी-शर्ट और किट बैग उपलब्ध कराए जाते हैं।

बीएसएफ अकादमी टेकनपुर में चार दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित

एसटीसी टेकनपुर एवं एसटीसी उधमपुर की टीमों को संयुक्त विजेता का खिताब

बीएसएफ अकादमी के 11 सहायक प्रशिक्षण केन्द्रों के 314 खिलाड़ियों ने की सहभागिता

ग्वालियर। सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में चार दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अकादमी के लाल बहादुर शास्त्री सटेडियम परिसर में आयोजित हुई इस प्रतियोगिता में सीमा सुरक्षा बल के 11 सहायक प्रशिक्षण केन्द्रों के कुल 314 पुरूष व महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

इस चार दिनी प्रतियोगिता में अंकों के आधार पर संयुक्त रूप से एसटीसी टेकनपुर एवं एसटीसी उधमपुर की टीम विजेता रही। उपविजेता का खिताब एसटीसी हजारी बाग को मिला। प्रतियोगिता का समापन समारोह सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के अपर महानिदेशक श्री पंकज गूमर के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महानिरीक्षक एवं संयुक्त निदेशक विशिष्ट सेवा मैडल श्री जितेन्दर सिंह ओबेरॉय, कमाण्डेंट श्री विपिन पाथरी सहित अकादमी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद थे।

नव आरक्षकों में खेल भावना को बढ़ावा देने और खेल प्रतिभाओं को खोजने के उद्देश्य से इस प्रथम अंतर सहायक प्रशिक्षण केन्द्र (एसटीसी) एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया, जिसमें एसटीसी कश्मीर, एसटीसी उधमपुर (जम्मू), एसटीसी खड़का पंजाब, एसटीसी जोधपुर राजस्थान, एसटीसी चाकूर महाराष्ट्र, एसटीसी टेकनपुर, एसटीसी इंदौर, एसटीसी बैंगलोर, एसटीसी चुरा चाँदपुर मणिपुर, एसटीसी नॉर्थ बंगाल एवं एसटीसी हजारी बाग झारखण्ड की टीमों एवं खिलाड़ियों ने सहभागिता की।

ज्ञात हो सीमा सुरक्षा बल में नव आरक्षकों को बुनियादी प्रशिक्षण देने के लिये देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रशिक्षण केन्द्र बनाए गए हैं। इन प्रशिक्षण केन्द्रों के जरिए नव आरक्षकों को 44 सप्ताह का बुनियादी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिसमें आउटडोर विषय मसलन फिजिकल ट्रेनिंग, एन्ड्यूरेंस व ड्रिल तथा इनडोर प्रशिक्षण के तहत संविधान, शासकीय सेवा, मानवाधिकार, कानून व्यवस्था व कम्प्यूटर का अध्ययन कराया जाता है।

बिना अनुमति पुरानी छावनी गंगापुर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों पर निगम ने की कार्रवाई

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर एवं जिला प्रशासन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में विकसित की जा रहीं अवैध कॉलोनियों पर निगम के अमले द्वारा आज गुरुवार को कार्रवाई की गई । कॉलोनाइजरों द्वारा बिना टीएनसीपी एवं नगर निगम की अनुमति के बिना कॉलोनियों में विकास कार्य किए जा रहे थे, जिन पर कार्रवाई करते हुए निगम अमले ने कॉलोनियों में किए जा रहे विकास कार्यों को हटवाया तथा पक्के निर्माण को तोड़ा गया।

कॉलोनी सेल प्रभारी एवं भवन अधिकारी श्री महेंद्र अग्रवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशन में नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर की अवैध कॉलोनियों पर चलाए जा रहे अभियान के तहत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों व कॉलोनियों में कार्रवाई कर कॉलोनी की सड़क, विद्युत पोल, सीवर चौंबर, बाउंड्री वॉल, भूखंडों की नींव हटाने की कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के तहत कार्रवाई के तहत क्षेत्र क्रमांक 23 के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 63 में पुरानी छावनी गंगापुर में अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई की गई। जिसमें सर्वे क्रमांक 140/1/2, 141 एवं 144 पर श्री बाबू पुत्र श्री राधे जाटव द्वारा, सर्वे क्रमांक 138 पर श्री सरदार सिंह पुत्र रामस्वरूप यादव द्वारा, सर्वे क्रमांक 477/1, 477/2 पर श्री सुमेरा पुत्र श्री मोतीराम जाटव एवं पुरुषोत्तम आदि द्वारा, सर्वे क्रमांक 501 एवं 502 पर श्री महेश सिंह पुत्र श्री रणवीर सिंह द्वारा, सर्वे क्रमांक 654/1, 654/2, 651/1 पर श्री रामबाबू पुत्र श्री उमराव सिंह यादव द्वारा , सर्वे क्रमांक 649/1, 642/2 पर श्री भानु पुत्र श्री विजय जैन द्वारा एवं सर्वे क्रमांक 630/1 तथा 631 परश्री देवेंद्र पुत्र श्री बलवीर सिंह द्वारा अवैध रुप से बिना अनुमति के कॉलोनी का विकास किया जा रहा था, जिसे आज निगम द्वारा हटवाया गया तथा वहां किए गए अवैध विकास कार्यों को तोडा गया।

जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा की गई कार्रवाई में तहसीलदार ग्वालियर श्री विजय त्यागी एवं आर आई, पटवारी तथा नगर निगम के सहायक सिटी प्लानर श्री सुरेश अहिरवार, श्री बी के त्यागी, कॉलोनी सेल प्रभारी एवं भवन अधिकारी श्री महेंद्र अग्रवाल, भवन अधिकारी श्री राजीव सोनी, श्री वीरेंद्र शाक्य, भवन निरीक्षक श्री अमित साहू, पटवारी श्री सतेन्द्र श्रीवास्तव एवं मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान, मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह एवं मदाखलत गैंग तथा संबंधित थाना प्रभारी एवं पुलिस बल उपस्थित रहा।

डॉ. गोविंद सिंह जी को नेताप्रतिपक्ष बनने पर बधाई

कांग्रेस कार्यालय पर मना जश्न, बंटी मिठाई

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा, डॉ. सतीश सिंकरवार, प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के नेतृत्व में आज मप्र शासन के पूर्व मंत्री डॉ. गोविद सिंह जी को मप्र विधानसभा में नेताप्रतिपक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस भवन पर मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार करते हुए जश्न मनाते हुए कहा कि डॉ. गोविंद सिंह का अनुभव, भाजपा के खिलाफ उनकी कार्यशैली और जनहित के कार्यों में उनका योगदान, और अब मप्र की विधानसभा में ग्वालियर चंबल संभाग सहित प्रदेश की आवाज विधानसभा में गूंजेगी। जश्न समारोह में उपाध्यक्ष मीडिया प्रभारी राजकुमार शर्मा, उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह चैहान, महामंत्री जितेन्द्र भदोरिया, सचिव भरत शर्मा, संजीव दीक्षित, पूर्व पार्षद विकास जेन, अश्वनी अगरैया, चेतन भार्गव, अवनीश दुबे चुल्लू आदि उपस्थित थे।

शहर के नए वार्डों में पेयजल व्यवस्था सुचारू रहे : श्री भारत सिंह कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने नगर निगम आयुक्त की मौजूदगी में ली बैठक

विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर शहर से जुड़े नए वार्डों (61 से 66) की सभी बस्तियों में ग्रीष्म ऋतु के दौरान पेयजल आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिये हर संभव कदम उठाएँ। साथ ही अमृत-2 के तहत योजनाबद्ध ढंग से नए वार्डों में पुख्ता पेयजल नेटवर्क स्थापित करें। इस आशय के निर्देश उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने नगर निगम के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा शहर के अन्य वार्डों की तरह ग्रामीण वार्डों में भी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जाए।

गुरूवार को यहाँ व्हीआईपी सर्किट हाउस मुरार में आयोजित हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल व अपर आयुक्त नगर निगम श्री आर के सक्सेना सहित पेयजल, बिजली, सड़क, साफ-सफाई एवं अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े जिम्मेदार अधिकारी मौजूद थे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने वार्ड 61 से 66 तक चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा भी की। साथ ही निर्देश दिए कि अपूर्ण कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण कराएँ। उन्होंने कहा विकास कार्य समयबद्ध कार्यक्रम के तहत पूरे किए जाएं। इसमें कोई ढिलाई न हो।

निगमायुक्त ने देखी सफाई व्यवस्था, गंदगी फैला रहे दुकानदारों पर लगाया जुर्माना

ग्वालियर। सीवर ट्रीटमेंट प्लांट पर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हों और यहां से ट्रीटेड होने वाले पानी का उपयोग निरंतर डिवाइडर धुलाई, सडकों की धुलाई, पार्कों व डिवाइडर पर सिंचाई इत्यादि के लिए किया जाए। उक्ताशय के निर्देश नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने सुबह निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिह गुर्जर, अधीक्षण यंत्री श्री जेपी पारा, नोडल अधिकारी श्री शिशिर श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी कार्यशाला श्री शैलेन्द्र सक्सैना, सहायक यंत्री श्री लक्ष्मन सेंगर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। शहर की स्वच्छता एवं सुंदरता के लिए निरंतर प्रयासरत नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल द्वारा निरंतर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं बेहतर बनाई जा रहीं है। निगमायुक्त श्री कन्याल ने गुरुवार को बैजाताल स्थित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट का निरीक्षण किया तथा साफ सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा। इसके साथ ही प्लांट पर प्रतिदिन के ट्रीटेड पानी की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसके पश्चात निगमायुक्त श्री कन्याल ने फूलबाग से होते हुए किलागेट व हजीरा तक सडक निर्माण के साथ ही साफ सफाई व्यवसथा का निरीक्षण किया। सेवानगर में एक व्यक्ति द्वारा सडक किनारे लघुशंका की जा रही थी जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए माफी मंगवाई और पुनः गंदगी न करने की चेतावनी दी। फिर इंटक मैदान स्थित हजीरा सब्जीमंडी पंहुचकर साफ सफाई व्यवस्था एवं चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। इसके साथ ही सब्जी विक्रेताओं से बात की तथा जहां गंदगी मिली नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित के खिलाफ जुर्माने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अन्य स्थानों पर भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान **E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478**